सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 85 | जौनपुर, शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

विमान में बम की सूचना पर मचा हड़कंप

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर गुरुवार को नागपुर से कोलकाता जा रहे एक विमान में बम की सूचना मिलने के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी ।खबरों के अनुसार, विमान में बम होनने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा कारणों से रायपुर एयरपोर्ट पर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करने का निर्णय लिया गयायात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और विमान को तुरंत खाली करवा लिया गया। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं, इस घटना के बाद रायपुर एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए उड़ानें प्रभावित हुईं। सुरक्षा को लेकर विमान की जांच जारी है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत–कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली ।अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में एजेंसी द्वारा उनकी हिरासत को अवैध करार दिया। खान के खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए, अदालत ने यह भी कहा कि हालांकि उनके खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सामग्री है, लेकिन आरोपपत्र में अपेक्षित मंजूरी नहीं है ।प्रवर्तन निदेशालय को बड़ा झटका

देते हुए, दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान को 1 लाख रुपये के जमानत बांड और एक मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। इसके अलावा, अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में एजेंसी द्वारा उनकी हिरासत को अवैध करार दिया। खान के खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए, अदालत ने यह भी कहा कि हालांकि उनके खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सामग्री है, लेकिन आरोपपत्र में अपेक्षित मंजूरी नहीं है।

यह तब हुआ जब अदालत ने खान के मामले में आरोपपत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं, इस पर अपना आदेश सुनाया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने बुधवार को ईडी की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मामले में आरोपी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। खान दो महीने से न्यायिक हिरासत में हैं। उनकी रिहाई के साथ ही आप के सभी नेता जेल से बाहर होंगे ।ईडी का मामला 2016 और 2021 के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में खान के कार्यकाल के दौरान की गई कथित अनियमितताओं से संबंधित है। केंद्रीय एजेंसी के अनुसार, खान ने बोर्ड में सदस्यों को अवैध रूप से नियुक्त किया था, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। इसमें आगे आरोप लगाया गया कि खान के एजेंटों द्वारा संपत्तियों में 36 करोड़ रुपये का हेरफेर किया गया। एजेंसी ने पहले भी अदालत को बताया था कि एक आरोपी की डायरी को खान के खिलाफ सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

पंजाब में निकाय चुनाव को लेकर मतदाता सूची में संशोधन का शेड्यूल जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब में नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य चुनाव आयोग ने बुधवार को 5 नगर निगमों अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला, फगवाड़ा और 43 नगर परिषदों व नगर पंचायतों के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग की तरफ से चुनावों के लिए मतदाता सूचियों में संशोधन का शेड्यूल जारी किया गया हैइस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 14 नवंबर को किया जाएगा और दावे एवं आपत्तियां 18 नवंबर से 25 नवंबर तक दर्ज की करवाई जा सकेगी।

कोविड-19 संकट में पहुंचाई थी 70 हजार वैक्सीन

अब कॉमनवेल्थ ऑफ डोमिनिका पीएम मोदी को देगा अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। डोमिनिका प्रधान

मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि कोविड–19 महामारी के दौरान डोमिनिका में उनके योगदान और दोनों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के समर्पण को मान्यता देने के लिए डोमिनिका का राष्ट्रमंडल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करेगा ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डोमिनिका राष्ट्रमंडल के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार कोविड–19 महामारी के दौरान डोमिनिका में पीएम मोदी के योगदान को मान्यता देगा। डोमिनिका प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि कोविड–19 महामारी के दौरान डोमिनिका में उनके योगदान और दोनों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के समर्पण को मान्यता देने के लिए डोमिनिका का राष्ट्रमंडल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करेगा।

आपको बता दें कि फरवरी 2021 में भारत ने डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका कोविड–19 वैक्सीन की 70,000 खुराक की आपूर्ति की।

19 से 21 नवंबर, 2024 तक जॉर्जटाउन, गुयाना में होने वाले भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में डोमिनिका के राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन द्वारा पीएम मोदी को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि डोमिनिका के प्रधान मंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने कहा कि यह पुरस्कार डोमिनिका और व्यापक क्षेत्र के साथ प्रधान मंत्री मोदी की एकजुटता के लिए डोमिनिका की कृ तज्ञता की अभिव्यक्ति है। पीएम मोदी को यह पुरस्कार डोमिनिका की राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन 19 से 21 नवंबर तक गुयाना के जॉर्जटाउन में होने वाले भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान देंगी।

पीएम मोदी को मिल चुके हैं ये सम्मान

–पीएम मोदी को पापुआ न्यू गिनी भी सम्मानित कर चुका है। उन्हें मई 2023 में 'ग्रैंड कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू' दिया गया था।

–फ्रांस भी पीएम मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान दे चुका है. 13 जुलाई 2023 को फ्रांस ने 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से पीएम मोदी को सम्मानित किया था।

–ग्रीस की तरफ से 25 अगस्त 2023 में पीएम मोदी को 'द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर' सम्मान मिला था।

वहीं, पीएम मोदी को बहरीन के किंग ने साल 2019 में 'किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां' सम्मान दिया था।

गजब की डॉक्टरी! बच्चे की बाईं आंख में थी समस्या

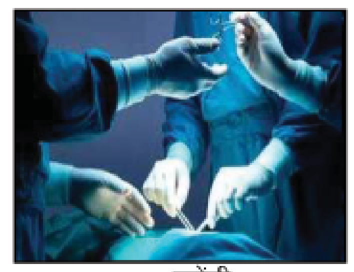

एजेंसी

नोएडा । देश की राजधानी दिल्ली से सटे बड़े शहर ग्रेटर नोएडा में डॉक्टरों की लापरवाही का एक ऐसा मामला सामने आया है। दरअसल 7 साल की मासूम बच्ची की दाहिनी आंख में दिक्कत थी, जिसको लेकर परिजन ग्रेटर नोएडा के गामा –1 स्थित आनंद स्पेक्ट्रम हॉस्पिटल गए। जहां डॉक्टर ने ऑपरेशन करने की बात परिजनों से कहीं। परिजन बच्ची के उपचार के लिए तैयार हो गए। डॉक्टर ने ऑपरेशन में करीब 45–50 हजार का खर्च भी बताया। परिजन इस पर भी राजी हो गए ।परिजनों के राजी होने के बाद डॉक्टर ने ऑपरेशन शुरू किया और जब बच्ची का ऑपरेशन हो गया। बच्ची को आराम नहीं मिला तो परिजनों ने देखा कि जिस आंख का ऑपरेशन होना था, उस आंख का तो ऑपरेशन ही नहीं हुआ। यानी तकलीफ बाए आंख में थी और डॉक्टर ने ऑपरेशन दाहिनी आंख का कर दिया। हालांकि इसकी शिकायत जब परिजनों ने पुलिस से की तो पुलिस ने डॉक्टर को थाने में बुलाया। जिसके बाद डॉक्टर ने पुलिस के सामने ही कबूल किया कि उसने ऑपरेशन गलत कर दिया ।हालांकि इस लापरवाही के बाद परिजन काफी ज्यादा गुस्से में है और वह डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

एक–एक घुसपैठिए को चुन कर झारखंड के बाहर भेजेगी भाजपा : अमित शाह

एजेंसी

रांची। शाह ने आरोप लगाया कि जेएमएम सरकार का ध्यान सिर्फ घुसपैठियों को राज्य में घुसाने पर है। ये घुसपैठिए, झारखंड में आते हैं और हमारी बच्चियों से दूसरी, तीसरी, चौथी शादी करते हैं और उनकी जमीन हड़प लेते हैं ।गृह मंत्री अमित शाह ने आज झारखंड के गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि हमारा झारखंड पूरे देश में सबसे समृद्ध राज्य है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, झारखंड तो समृद्ध है, झारखंडी गरीब हैं। क्योंकि जेएमएम सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से वादा करते हुए कहा कि आप 20 तारीख को कमल के निशान का बटन दबाइए, हम झारखंड में ऐसे कारखाने लगाएंगे, जिससे यहां का युवा दूसरे राज्य में मजदूरी के लिए नहीं जाएगा। जेएमएम सरकार का ध्यान सिर्फ घुसपैठियों को राज्य में घुसाने पर है। ये घुसपैठिए, झारखंड में आते हैं और हमारी बच्चियों से दूसरी, तीसरी, चौथी शादी करते हैं और उनकी जमीन हड़प लेते हैं। झारखंड वालों, यहां कमल की सरकार बना दो, हम आपसे वादा करते हैं, यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। उन्होंने कहा कि श्रडड सरकार के साथ झारखंड में घुसपैठियों का भी समय समाप्त होगा। एक–एक घुसपैठिए को चुन–चुन प्रदेश से बाहर भेजने का काम भाजपा करेगी। भाजपा नेता ने दावा किया कि हम ऐसा कानून लेकर आयेंगे, जिसमें आदिवासी बच्ची के साथ शादी करने से भेंट के माध्यम से आदिवासियों की जमीन आप (घुसपैठिए) हड़प नहीं सकते और जिन्होंने हड़पा है, वो वापस भी करायेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड ने वर्षों तक नक्सलवाद को झेला है।

नक्सलवादियों ने झारखंड को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी जी ने झारखंड को 10 साल में नक्सलवाद से मुक्त कराने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में जो बचा कुचा नक्सलवाद है, 2026 से पहले हम उसे भी समाप्त करेंगे। हम 2026 तक श्नक्सल मुक्त भारतश बनाएंगे ।अमित शाह ने कहा कि सोनिया जी को अपने बेटे को लांच करने का बड़ा शौक है। सोनिया जी ने 20 बार राहुल नाम का प्लेन लांच किया, लेकिन लैंड ही नहीं होता है। ये प्लेन, 20 बार क्रैश हो चुका है और 21वीं बार भी देवघर एयरपोर्ट पर ये प्लेन क्रैश होने वाला है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्रड़गे जी ने कांग्रेस को सलाह दी कि श्वादे उतने ही करो जो पूरे हो सकेंश। कनार्टक, हिमाचल और तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं हुए। तो वहीं पीएम नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं, क्योंकि श्मोदी की गारंटीश पत्थर की लकीर होती है ।शाह ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस (जम्मू–कश्मीर में) धारा 370 वापस लाना चाहती है। कश्मीर भारत का है और इसे हमसे कोई नहीं छीन सकता। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पाकिस्तान से आतंकवादी हमले अक्सर होते थे। जब पीएम नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक से आतंकवाद का खात्मा किया।

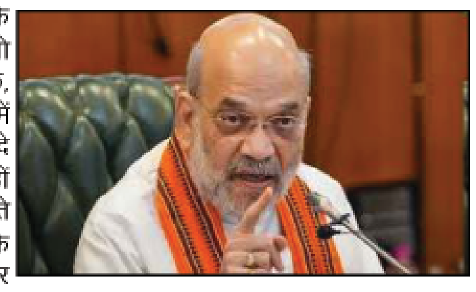

उन्होंने कहा कि झारखंड ने नक्सलवाद झेला है। उन्होंने झारखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम मोदी ने झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त कराया है। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है।

बाबा सिद्दीकी की मौत हुई या नहीं... कंफर्म करने के लिए अस्पताल गया था शूटर

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा

सिद्दीकी की कुछ ही दिनों पहले मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या का आरोप लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर लगा है। पुलिस इस केस में लगातार कार्रवाई कर रही है और कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

इन सब के बीच बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल शूटर शिव ने पुलिस के सामने बड़े खुलासे किए हैं। उसने खुलासा किया है कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को अंजाम देने के बाद वह उनकी मौत पर अपडेट लेने के लिए अस्पताल भी गया था ।आरोपी ने किया बड़ा खुलासाबाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में शूटर शिवकुमार गौतम फिलहाल मुंबई पुलिस की हिरासत में है। उससे पूछताछ के दौरान पुलिस को कई बातें साफ होती नजर आ रही हैं। पूछताछ के बीच शिवकुमार गौतम ने मुंबई पुलिस को बताया की हत्या के बाद वह वहां से चला गया और अपना शर्ट बदलकर दोबारा घटनास्थल पर पहुंचा था। यहां उसे कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद उसने ऑटो लिया और सीधा लीलावती अस्पताल भी पहुंचा था। आरोपी को वारदात की जगह पर कोई खबर नहीं मिल पा रही थी। इसलिए वह अपडेट पता करने अस्पताल पहुंचा था ।ट्रेन से गांव निकल गया था आरोपीशूटर शिवकुमार गौतम ने पुलिस को यह भी बताया कि किस प्रकार से घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर एक खाली कार के अंदर उसने अपना हथियार वाला बैग रखा था। अस्पताल से मौत की खबर मिलने के बाद आरोपी कुर्ला गया और कुर्ला से ठाणे। वहां से वह पुणे गया और फिर उत्तर प्रदेश की ट्रेन पड़कर गांव निकल गया।

पराली से निपटने के लिए पंजाब ने केंद्र के समक्ष रखा प्रस्ताव

एजेंसी

चंडीगढ़। पराली निस्तारण की दिशा में पंजाब सरकार ने केंद्र के समक्ष एक अहम प्रस्ताव रखा है। पंजाब ने उत्तर भारत के राज्यों में बायोमास पावर प्रोजेक्ट लगाने के लिए कहा है।

इन बायोमास पावर प्रोजेक्ट के लिए पंजाब ने राज्यों को सब्सिडी देने की मांग भी की है। प्रति मेगावॉट अगर पांच करोड़ की सब्सिडी मिलती है तो राज्य सरकारें बायोमास पावर प्रोजेक्ट्स के जरिये पराली के निस्तारण की दिशा में अहम कदम उठा सकती हैं।

इस सुझाव को अगर एक्शन प्लान के रूप में उतारा जाता है तो इससे पराली निस्तारण में बड़े स्तर पर मदद मिलेगी।

यह प्रस्ताव नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में रखा गया।

योगी आदित्यनाथ का आरोप

झारखंड को नक्सलवाद की तरफ धकेलना चाहती है कांग्रेस, जेंएमएम और आरजेडी

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस और झामुमो

पर वार करते हुए योगी ने कहा कि वे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को झारखंड में आने दे रहे हैं और भूमि और लव जिहाद का कारण बन रहे हैं। हमें इस घुसपैठ को रोकना है ।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपना नारा बटेंगे तो कटेंगे, एक है तो सेफ है६ दोहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन बांग्लादेशी घुसपैठियों और अवैध रोहिंग्या प्रवासियों को यहां बसने की अनुमति देकर झारखंड के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर रहा है। योगी ने कहा कि यह नया भारत है। देश में सुरक्षा का माहौल है। चाहे कांग्रेस हो, राजद हो या झामुमो, ये सभी आपको लूटने के लिए आये हैं। कांग्रेस और झामुमो पर वार करते हुए योगी ने कहा कि वे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को झारखंड में आने दे रहे हैं और भूमि और लव जिहाद का कारण बन रहे हैं। हमें इस घुसपैठ को रोकना है। उन्होंने कहा कि आपने देखा होगा कि 2017 में हमारी सरकार बनने से पहले उत्तर प्रदेश में क्या हुआ था। डबल इंजन सरकार बनने के बाद, उत्तर प्रदेश में अब कोई दंगे या कर्फ्यू नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राजद और झामुमो, ये लुटेरों के सरदार वामपंथियों को सिर पर उठाकर झारखण्ड को पूरी तरह नक्सलवाद का गढ़ बनाने पर उतारू हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीट के लिए बुधवार को 1.37 करोड़ मतदाताओं में से 66.18 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15,334 मतदान केन्द्रों में से लगभग आधे मतदान केन्द्रों के संवेदनशील श्रेणी में होने के बावजूद नक्सली हिंसा की कोई खबर नहीं आई, सिवाय एक दो घटनाओं के जिनमें माओवादियों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने इन प्रयासों को विफल कर दिया।

दिल्ली में प्रदूषण पर सुप्रीम सुनवाई 18 नवंबर को

याचिकाकर्ता ने कहा– लोग गंभीर स्थिति में

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने के कारण राजधानी में धुंध की चादर छाई हुई है। सीरीफोर्ट इलाके में एक्यूआई 438 दर्ज किया गया है, जिसे सीपीसीबी के मुताबिक श्गंभीरश श्रेणी में रखा गया है।

दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 18 नवंबर को सुनवाई होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की ओर से दायर याचिका पर गौर करते हुए न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पीठ से कहा कि कल से लोग गंभीर स्थिति में हैं। इससे बचने के लिए अदालत ने सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को एहतियाती कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को इस बारे में सूचित कर दिया है और उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या कदम उठाए जा रहे हैं?दिल्ली समेत एनसीआर में एक्यूआई खतरनाक स्तर परप्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने के कारण राजधानी में धुंध की चादर छाई हुई है। सीरीफोर्ट इलाके में एक्यूआई 438 दर्ज किया गया है, जिसे सीपीसीबी के मुताबिक श्गंभीरश श्रेणी में रखा गया है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जिस तरह से उत्तर भारत में पराली जलाने के मामले दिख रहे हैं, उसके हिसाब से फिलवक्त इसमें बड़े पैमाने पर कमी आने का अंदेशा नहीं है। राजधानी के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता श्गंभीरश श्रेणी में पहुंच गई है, जिससे अक्षरधाम मंदिर और आस–पास के इलाकों में धुंध की मोटी परत छा गई है। 11 नवंबर को दिल्ली पुलिस को लगाई थी फटकारसुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध के उसके आदेश को गंभीरता से न लेने पर 11 नवंबर को दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ऐसा माना जाता है कि कोई भी धर्म किसी

भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है या लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाती है ।जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सदस्यता वाली पीठ ने कहा कि अगर पटाखे इसी तरह से फोड़े जाते रहे तो इससे नागरिकों का सेहत का मौलिक अधिकार प्रभावित होगा।

फर्जी आईडी से बैंक खाते खुलवाने के मामले में ईडी की एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने कथित वोट जिहाद मामले के तहत महाराष्ट्र और गुजरात में 24 स्थानों पर छापेमारी की है। यह मामला मुख्य रूप से फर्जी दस्तावेजों और नकली ,यड्घष्ट के माध्यम से बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोलने से जुड़ा हुआ है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक ये छापेमारी विशेष रूप से वित्तीय धोखाधड़ी और अवैध तरीके से बड़ी संख्या में बैंक खाते खोलने के मामले में की जा रही है ।ईडी की जांच में पाया गया है कि कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों और नकली ,यड्घष्ट के जरिए कई बैंक खातों को खोला गया। यह आरोप लगाया जा रहा है कि इन खातों का उपयोग वोट जिहाद के उद्देश्य से किया गया जिससे चुनावों में धोखाधड़ी की कोशिश की जा रही थी। ऐसे मामलों में बैंकिंग प्रणाली का दुरुपयोग कर जन प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया था ।ईडी के सूत्रों ने बताया कि छापेमारी महाराष्ट्र और गुजरात के कई प्रमुख स्थानों पर चल रही है। अहमदाबाद में 13 स्थानों पर, सूरत में 3 जगहों पर, मालेगाव में 2 जगहों पर, नासिक में एक स्थान पर और मुंबई में 5 स्थानों पर एक साथ छापे मारे जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान विभिन्न दस्तावेज और सबूत इक–ट्ठे किए गए हैं जो जांच की दिशा में अहम हो सकते हैं ।अपराध की गंभीरता और जांच की आगे की प्रक्रियाइस मामले को लेकर जांच एजेंसी ने साफ किया है कि मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है उन्हें जांच में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा इस प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकिंग और अन्य वित्तीय संस्थानों से कड़ी निगरानी की उम्मीद जताई जा रही है। ये मामला भारतीय लोकतंत्र में

चुनावी प्रक्रिया और बैंकिंग तंत्र से जुड़ी गंभीर चिंताओंको उजागर करता है।

चुनाव आयोग की टीम ने गोवा के सीएम प्रमोद सावंत का बैग किया चेक

एजेंसी

सतारा । चुनावी राज्य महाराष्ट्र में चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को सतारा में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के बैग की चेकिंग की गई ।महाराष्ट्र चुनाव को निष्पक्ष रूप से पूरा कराने के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह सक्रिय है। आयोग की टीम बड़े नेताओं पर भी नजर बनाए हुए है।

उनके सामानों की जांच भी की जा रही है। इसी सिलसिले में गुरुवार को सतारा में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के बैग की जांच की गई। वो पार्टी के पक्ष में चुनावी अभियान में भाग लेने के लिए गुरुवार को महाराष्ट्र आए। इस दौरान सतारा जिले के कराड एयरपोर्ट पर चुनाव आयोग की टीम ने उनके सामान की तलाशी ली ।बता दें कि इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की चुनाव आयोग की टीम ने तलाशी ली थी। आयोग ने दो बार उद्धव ठाकरे के सामान की तलाशी ली थी, जिस पर काफी राजनीतिक बवाल भी मचा था ।सोमवार को यवतमाल जिले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे का बैग चेक किया गया था। इसके बाद से कई तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आनी शुरू हो गई थीं।

अभी ये मामला थमा भी नहीं था कि मंगलवार को चुनाव आयोग की टीम ने एक बार फिर उनके हेलीकॉप्टर की चेकिंग की गई।

सम्पादकीय

देश की जड़ें कमजोर दुर्भाग्यपूर्ण

भारत में चुनावी रेवड़ी बांटने की फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। इस संस्कृति के कारण देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की महाराष्ट्र शाखा को सलाह दी कि विधानसभा चुनाव में वह ऐसे वादे ना करे, जिन्हें बाद में वित्तीय सीमा के कारण लागू करना कठिन हो। इसके पहले कर्नाटक के उप–मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान चर्चित हुआ था, जिससे संकेत मिला कि राज्य सरकार अपनी शक्ति योजना पर पुनर्विचार कर रही है। विवाद बढ़ने पर शिवकुमार ने सफाई दी कि उनके बयान को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया है। 2023 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार ने शक्ति योजना लागू की, जिसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिली है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बयानों को कांग्रेस पर हमला बोलने का औजार बनाया। उनके मुताबिक इससे जाहिर हो गया है कि कांग्रेस की चुनावी गारंटियां फर्जी हैं। उन्होंने कहा– चुनाव– दर– चुनाव कांग्रेस लोगों से ऐसे वादे करती है, जिनके बारे में उसे मालूम है कि वह कभी उन्हें पूरा नहीं कर पाएगी। कांग्रेस अब लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गई है।ह इस पर कांग्रेस नेताओं का गुस्सा भड़कना लाजिमी था। बहरहाल, खड़गे ने अगर चुनावी वादों के मामले में यथार्थवादी रुख अपनाने की सलाह अपनी पार्टी को दी, तो यह सभी दलों के लिए सार्थक आत्म–निरीक्षण का मौका भी हो सकता था।प्रधानमंत्री चाहते, तो इस बारे में गंभीर राष्ट्रीय चर्चा की पहल कर सकते थे। सभी दलों के बीच संवाद कर राजकोषीय संभाव्यता के दायरे में चुनावी वादे करने पर सहमति बनाने की पहल वे कर सकते थे। मगर सारा मामला तू तू–मैं मैं का बन गया। इस तरह भारत में फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर किसी अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। सिद्ध तथ्य है कि चुनावों रेवड़ी बांटने की संस्कृति मानव एवं सामान्य विकास के क्षेत्रों में बुनियादी निवेश की कीमत पर हो रहा है। इससे देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं। उन्हें अपनी रेवड़ी को उचित, और दूसरों की अनुचित लगती है।

नेहरू : जैसा बालमन समझने वाला चाहिए दूसरा 'चाचा'

डॉ. रमेश ठाकुर

पंडित नेहरू की जैसे ही नजर बच्चे के रोने पर पड़ी, उन्होंने अपना भाषण रुकवा दिया और तुरंत अपने अंगरक्षक को बच्चा और उसकी मां को मंच पर लाने को कहा, मां अपने बच्चे के साथ जैसे ही मंच पर चढ़ी, नेहरू ने आगे बढ़कर स्वयं बच्चे को अपने गोद में उठा लिया।आज खास दिन 'बाल दिवस' और चाचा नेहरू से तो ज़माना परिचित ही है। पर, लोग ये नहीं जानते कि नेहरू जी आखिर बच्चों के श्चाचाश कैसे कहलाए? इस रहस्य से अधिकांश अनभिज्ञ है। वैसे, 'बाल दिवस' आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। जबकि, ये दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत 20 नवंबर को पूरे विश्व भर में मनाया जाता है। लेकिन साल 1964 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद, भारतीय संसद में उनके जन्मदिन को देश में आधिकारिक तौर पर 'बाल दिवस' के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव एकमत से जारी किया गया। क्योंकि वह बच्चों नितांत प्रिय हुआ करते थे। उनका बच्चों के प्रति लगाव देखने लायक होता था। उन्हें श्चाचाश क्यों कहा जाने लगा, ये एक दिलचस्प वाक्या है। चलिए बताते हैं नेहरू के चाचा बनने की कहानी। पंडित नेहरू एक मर्तबा इलाहाबाद में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मौसम जाड़े का था। सभा में एक बुजुर्ग महिला भी भाषण सुनने अपने दुधमुंहे बच्चे के साथ पहुंची थी। जारी भाषण में बच्चा तेजी से रोने लगा।पंडित नेहरू की जैसे ही नजर बच्चे के रोने पर पड़ी, उन्होंने अपना भाषण रुकवा दिया और तुरंत अपने अंगरक्षक को बच्चा और उसकी मां को मंच पर लाने को कहा, मां अपने बच्चे के साथ जैसे ही मंच पर चढ़ी, नेहरू ने आगे बढ़कर स्वयं बच्चे को अपने गोद में उठा लिया। बच्चा पंडितजी की गोद में जाते ही चुप हो गया और उनके जेब में लगे पेन से खेलने लगा। बच्चे के प्रति नेहरू के प्यार–स्नेह को देखकर सभा में उपस्थित लोग अचंभित हो गए और उसी समय से लोगों ने उन्हें 'चाचा' कहना शुरू कर दिया। बच्चों के प्रति उदारता, दयालुपन, स्नेहभाव और दीवानगी की ललक हम सभी में भी जगे, उसी मकसद को आज का ये खास दिवस पूरा करता है। हालांकि बच्चे से प्यार तो हर कोई करता है। लेकिन नेहरू का प्यार बेशकीमती, अद्भुत, चमत्कारी होता था। रोते हुए बच्चे भी उनके सन्मुख जाकर एकाएक चुप हो जाते थे। बच्चों को चुप कराने की उनके पास पता नहीं कौनसी अद्भुत कला थी, जो सभी

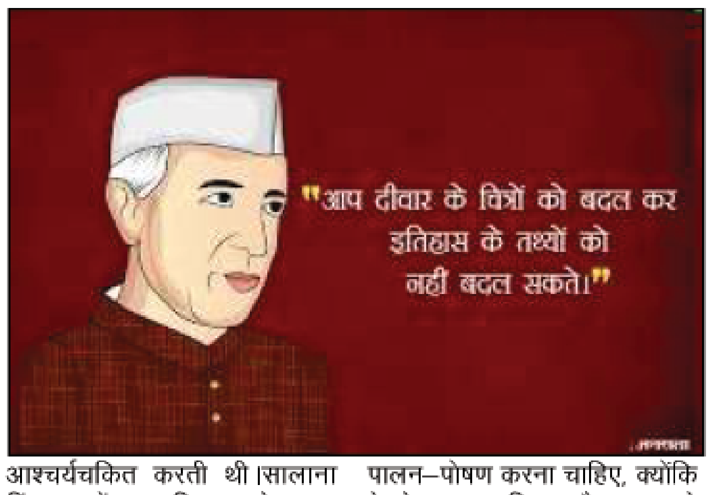

आश्चर्यचकित करती थी।सालाना हिंदुस्तान में श्बाल दिवसश बड़े उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। ये दिवस बच्चों को ढेर सारा स्नेह, उपहार और लाड़–प्यार देने को समर्पित होता है। जवाहरलाल नेहरू शुरू से बच्चों के अधिकारों और एक शिक्षा प्रणाली के पक्षधर और समर्थक रहे थे। वह प्रत्येक बच्चे को देश का आने वाला भविष्य कहते थे, बच्चा बेशक कितना भी नटखट क्यों न हो, वह उनकी भी भरपूर सराहना करते थे। फूलपुर की चुनावी सभा में नेहरू ने अपने प्रसिद्ध भाषणों में एक बार कहा था कि बच्चे बगीचे में कलियों की तरह होते हैं और उनका सावधानीपूर्वक और प्यार से पालन–पोषण करना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं। मौजूदा वक्त में जिस बेहिसाब से समूचे देश के नौनिहालों के प्रति अत्याचार, विभिन्न किस्म की समस्याएं, और अपराध बढ़े हैं, वो अगर जिंदा होते तो बहुत दुखी होते। एनसीआरबी की सालाना रिपोर्ट बच्चों के गायब होने के जो आंकड़े प्रस्तुत करती है, वो निश्चित रूप से डरावने होते हैं। तमाम हुकूमती कोशिशों के बावजूद भी बाल समस्याएं रुकने का नाम नहीं लेतीं।आज बाल दिवस के मौके पर देशभर के स्कूलों में गायन, निबंध, वाद–विवाद, खेलकूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। अधिकांश जगहों पर नेहरू की जीवनी पर लेख–लेखन कम्पटीशन आयोजित होंगी। दरअसल, 'नेशनल बाल दिवस' पं. नेहरू को सच्ची श्रद्धांजलि देने का भी दिन कहा जाता है, जो उसके हकदार भी हैं। नेहरू बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति मानते थे। साथ ही वह अक्सर नौनिहालों को मुल्क का सबसे कीमती संसाधन के रूप में भी संदर्भित करते थे। इसलिए, अपने युवा नागरिकों के जीवन की बेहतरी के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज इस दिवस के जरिए बच्चों में खुशियां, उनके अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए जागरूकता भी फैलाई जाती है। बच्चों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें एक सुरक्षित, खुशहाल और शिक्षा से भरपूर जीवन देने के लिए उनके पास संकल्पित भी होना चाहिए।सन् 1954 में, संयुक्त राष्ट्र की ओर से 20 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित किया गया था। पर, भारत ने इस दिवस को 14 नवंबर यानी पंडित नेहरू के जन्मदिन पर मनाने का निर्णय लिया। हिंदुस्तान में ये दिन को बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान देने पर केंद्रित होता है। बच्चों के प्रति बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं पर जागरूकता निरंतर फैलती रहनी चाहिए। बच्चों को बचपन में सही मार्गदर्शन और प्यार दिया जाना चाहिए। सभी के बच्चे बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र रूप से सीखने और बढ़ने का अधिकार रखते हैं। पंडित नेहरू हमेशा बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताना पसंद करते थे और उनका मानना था कि बच्चों में मासूमियत, सच्चाई, और निष्ठा होती है,

शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम से सुरक्षा और एक सुरक्षित व प्यार भरे वातावरण में बढ़ने का अधिकार हम सभी को मिलकर दिलवाना चाहिए। हालांकि, भारत में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए बाल संरक्षण कानून और विभिन्न सरकारी–गैरसरकारी संस्थाएं कार्यरत हैं, जिनका उद्देश्य बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाना है। इनका आम जनों को भी मिलकर सहयोग करना चाहिए।

क्या महाराष्ट्र फिर से इसके लिए तैयार है?

अभिनय आकाश

23 नवंबर को महाराष्ट्र की सत्ता में कौन आएगा? ये सवाल महाराष्ट्र और राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले हर शख्स ने ज़रूर जानना चाह रहा होगा। इसका जवाब तो 20 नवंबर को 288 सीटों पर वोटिंग के बाद रिजल्ट आने पर पता चलेगा। लेकिन आज आपको महाराष्ट्र की सियासत के साथ ही सोशल मीडिया पर नेटिज़न्स की तरफ से शेयर किए गए महाविकास अघाड़ी के दौर के दौरान हुए कुछ घटनाक्रम के बारे में बताएंगे।देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बारे में कहा जाता है कि यहां वक्त कभी थमता नजर नहीं आता है। 24 घंटे सातों दिन भागने वाला शहर मुंबई ने तरक्की और भागदौड़ भरी जिंदगी के साथ ही कई सियासी दांव पेंचों का दौर भी देखा है। महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में भारत का सबसे अमीर राज्य है। बड़े बिजनेस, बॉलीवुड का ग्लैमर्स तड़का और बड़ी चीनी सहकारी समितियों का घर जो किसी जमाने में ग्रैंड ओल्ड पार्टी का मजबूत दुर्ग हुआ करता था। लेकिन हिंदुत्व की धार के सहारे राज्य में भगवा लहराया और नए समीकरण के सहारे नए प्रकार का गठबंधन अस्तिव में आया। बहरहाल, 23 नवंबर को महाराष्ट्र की सत्ता में कौन आएगा? ये सवाल महाराष्ट्र और राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले हर शख्स ने ज़रूर जानना चाह रहा होगा। इसका जवाब तो 20 नवंबर को 288 सीटों पर वोटिंग के बाद रिजल्ट आने पर पता चलेगा। लेकिन आज आपको महाराष्ट्र की सियासत के साथ ही सोशल मीडिया पर नेटिज़न्स की तरफ से शेयर किए गए महाविकास अघाड़ी के दौर के दौरान हुए कुछ घटनाक्रम के बारे में बताएंगे। पुराना बॉम्बे प्रांत सिंध (अब पाकिस्तान में) से लेकर उत्तर–पश्चिमी कर्नाटक तक फैला हुआ था। इसके अलावा वर्तमान गुजरात के पूरे हिस्से और वर्तमान महाराष्ट्र के लगभग दो–तिहाई हिस्से (कुछ रियासतों को छोड़कर) को कवर करता था। दो मराठी भाषी क्षेत्र विदर्भ, मध्य प्रांत (बाद में मध्य प्रदेश) का एक हिस्सा, और मराठवाड़ा, हैदराबाद रियासत का एक हिस्सा प्रांत के बाहर स्थित थे। संयुक्त मराठी भाषी राज्य की मांग 1920 के दशक में उभरी और आजादी के बाद इसमें तेजी आई। 1953 में मराठी नेताओं ने बॉम्बे राज्य, विदर्भ और मराठवाड़ा को एकजुट करने के लिए नागपुर संधि पर हस्ताक्षर किए, जबकि राज्य के गुजराती समुदाय ने राज्य के लिए अपने स्वयं के आंदोलन का नेतृत्व किया। बम्बई शहर इन दोनों आंदोलनों के बीच फंस गया था। देश के आर्थिक केंद्र के रूप में इसके उदय में गुजरातियों ने प्रमुख भूमिका निभाई थी, लेकिन यह मराठी भाषी जिलों से घिरा हुआ था। जैसे–जैसे राज्य के भाषाई विभाजन की संभावना बढ़ती गई, कई लोगों का मानना घ्था कि बॉम्बे को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाएगा। प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस आशय की घोषणा भी की। हालाँकि, राज्य पुनर्गठन आयोग ने 1956 में सिफारिश की थी कि बॉम्बे राज्य को द्विभाषी रहना चाहिए, क्योंकि ष्एक महान सहकारी उद्यम में भागीदार बननाष गुजराती और मराठी समुदायों के ष्पारस्परिक लाभष के लिए था। इसने विदर्भ को राज्य का दर्जा देने की सिफारिश की, लेकिन केंद्र ने इसे अस्वीकार कर दिया, इसके बजाय इसे मराठवाड़ा के साथ बॉम्बे राज्य का हिस्सा बना दिया। इस नतीजे से न तो मराठी और न ही गुजराती पक्ष खुश था और राज्य के लिए आंदोलन जारी रहा। केंद्र अंततः सहमत हो गया और 1 मई, 1960 को बॉम्बे राज्य को विभाजित कर दिया गया। नए राज्यों महाराष्ट्र और गुजरात को तत्कालीन बॉम्बे राज्य की 396 सीटों में से 264 और 132 सीटें मिलीं।आजादी के बाद के वर्षों में कांग्रेस बॉम्बे राज्य में एकमात्र प्रमुख राजनीतिक ताकत थी – और 1951–52 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में, उसने विधानसभा की 317 सीटों में से 269 सीटें जीतीं। कुल मिलाकर 268 निर्वाचन क्षेत्र थे – कुछ निर्वाचन क्षेत्रों ने उस समय एक से अधिक सदस्यों को विधायिका में भेजा था। नासिक–इगतपुरी देश में एकमात्र तीन सदस्यीय (एक सामान्य श्रेणी, एक एससी और एक एसटी) विधानसभा क्षेत्र था। मोरारजी देसाई 1952 में बॉम्बे के पहले मुख्यमंत्री बने। 1955–56 में जब संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन उग्र हुआ, तो बॉम्बे (मुंबई) शहर में पुलिस गोलीबारी में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए। तीव्र आलोचना का सामना करते हुए, वलसाड के एक गुजराती मोरारजी को दिल्ली ले जाया गया और 1956 में केंद्रीय वित्त मंत्री बनाया गया। उनकी जगह सतारा के विधायक यशवंतराव चव्हाण ने ली। चव्हाण के नेतृत्व में, कांग्रेस ने 1957 के विधानसभा चुनाव में 396 सीटों (339 निर्वाचन क्षेत्रों) में से 234 सीटें जीतीं। 1962 के विधानसभा चुनाव में, जो महाराष्ट्र के निर्माण के बाद पहली बार हुआ, कांग्रेस ने 264 सीटों में से 215 सीटें जीतीं और मारोत्राव शंभशियो कन्नमवार मुख्यमंत्री बने। अगले वर्ष उनके असामयिक निधन के बाद, मुख्यमंत्री पद वसंतराव नाइक को सौंप दिया गया, जो लगभग 12 वर्षों तक इस पद पर बने रहे। 1967 के चुनावों में कांग्रेस को तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में झटका लगा। लेकिन महाराष्ट्र में इसका प्रभुत्व जारी रहा – नाइक के नेतृत्व में, पार्टी ने विधानसभा की 270 सीटों में से 203 सीटें जीतीं। 1969 में, पार्टी दो गुटों में विभाजित हो गई – कांग्रेस (ओ) का नेतृत्व मोरारजी देसाई और के कामराज के पुराने नेताओं ने किया और कांग्रेस आर, जहां आर का मतलब इंदिरा गांधी द्वारा श्रिक्विजिशनिस्टश था। कांग्रेस (ओ), जिसे सिंडिकेट के नाम से भी जाना जाता है, ने कई राज्यों में पैठ बनाई – लेकिन 1972 के चुनाव में महाराष्ट्र विधानसभा में एक भी सीट जीतने में असफल रही। इंदिरा की कांग्रेस ने 270 में से 222 सीटें जीतीं।इसी माहौल में राज्य में हिंदू दक्षिणपंथ की ताकत बढ़ी। राजनीतिक कार्टूनिस्ट बाल ठाकरे ने 1966 में मराठी राष्ट्रवादी शिव सेना का गठन किया था, और पार्टी को 1972 में अपना पहला विधायक मिला था।

अपने शुरुआती वर्षों में शिव सेना वसंतदादा पाटिल जैसे लोगों के करीब थी; हालाँकि, 1980 में भाजपा के जन्म के बाद, दोनों पार्टियाँ स्वाभाविक सहयोगी के रूप में एक साथ आ गईं। 1985 के विधानसभा चुनाव में, भाजपा ने 16 सीटें जीतीं, जबकि सेना ने अपना खाता नहीं खोला। हालाँकि, 1990 तक, दोनों पार्टियों की सीटें क्रमशः 52 और 42 सीटों तक बढ़ गईं। 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस और उसके बाद बॉम्बे (मुंबई) में हुए सांप्रदायिक दंगों और सिलसिलेवार विस्फोटों ने हिंदुत्व दक्षिणपंथ के उदय को और बढ़ावा दिया। 1995 में सेना–भाजपा गठबंधन क्रमशः 73 और 65 सीटें जीतकर महाराष्ट्र में सत्ता में आया। सेना के मनोहर जोशी मुख्यमंत्री बने और भाजपा के गोपीनाथ मुंडे उप मुख्यमंत्री बने। यह जीत सेना सुप्रीमो बाल ठाकरे और भाजपा के उभरते सितारे प्रमोद महाजन से प्रेरित थी। कांग्रेस ने 80 सीटें जीतीं। 1998 के लोकसभा चुनाव के बाद जोशी केंद्र में चले गए और ठाकरे ने उनके उत्तराधिकारी के लिए नारायण राणे को चुना। 1999 में, साढ़े चार साल के सेना–भाजपा शासन के बाद, राज्य में समय से पहले चुनाव कराए गए।एमवीए सरकार के दौरान की क्यों दिलाई जा रही यादमहाराष्ट्र चुनाव के साथ ही सोशल मीडिया पर कई पोस्ट और वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। इसके साथ ही महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान की याद दिलाई जा रही है। कई यूजर्स दावा कर रहे हैं कि एमवीए के लौटने पर सेंसरशिप और मनमानी गिरफ्तारियाँ होनी शुरू हो जाएंगी। नेटिज़न्स ने संकेत दिया कि अगर एमवीए वापस आता है महाराष्ट्र में सत्ता, सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों के खिलाफ लक्षित हमलों की एक श्रृंखला जारी रहेगी। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में से एक मराठी अभिनेत्री केतकी चितले का था, जिन्हें एनसीपी प्रमुख शरद पवार के खिलाफ एक पोस्ट साझा करने के बाद लगभग 40 दिनों के लिए जेल में डाल दिया गया था। एक यूजर से पोस्ट में कहा कि ये वीडियो मराठी एक्ट्रेस केतकी चितले के जेल से रिहा होने का है। उनके खिलाफ 22 एफआईआर दर्ज की गईं। वांछित अपराधी की तरह गिरफ्तार किया गया। 40 से अधिक दिन जेल में बिताए। और क्यों? शरद पवार की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक कविता साझा करने के लिए? क्या महाराष्ट्र फिर से इसके लिए तैयार है? नेटिज़न्स द्वारा साझा किया गया एक और वीडियो रिपब्लिक टीवी के पत्रकार अर्नब गोस्वामी का था, जिन पर उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान दो लोगों ने हमला किया था। एक यूजर ने संकेत देते हुए कहा कि तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार की तरफ से अर्नब गोस्वामी के विच हंट को मत भूलिए अगर एमवीए सत्ता में आती है तो राज्य को आने वाले समय में ऐसे और हमलों की उम्मीद करनी चाहिए। 22 और 23 अप्रैल 2020 की मध्यरात्रि को, रात 10 बजे की बहस के बाद अपने नियमित एडिट कॉल के बाद, अर्नब गोस्वामी और उनकी पत्नी घर वापस जा रहे थे, तभी दो बाइक सवार हमलावरों ने उनकी कार पर हमला किया था। हमलावरों ने अर्नब गोस्वामी की कार रुकवाने के लिए उनकी कार के सामने अपनी बाइक खड़ी कर दी और फिर उन पर हमला कर दिया। अर्नब गोस्वामी और उनकी पत्नी बाल–बाल बच गये। हालांकि, हमलावरों ने कार पर हमला करने और शीशे तोड़ने की कोशिश करने के बाद कार पर स्याही भी फेंकी।

पब्लिक टीवी के मुताबिक, गुंडों ने कबूल किया कि वे कांग्रेस से थे और हमला गोस्वामी के आवास से केवल 500 मीटर की दूरी पर हुआ। इसके अलावा, गोस्वामी के खिलाफ एक लक्षित विच–हंट में एमवीए नियम के तहत मुंबई पुलिस उनके आवास पर पहुंची। मुंबई पुलिस ने 2018 के आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में उन्हें हिरासत में लेने की कोशिश की थी, लेकिन ये मामला पहले ही बंद हो चुका था।2020 में पालघर साधु की पीट–पीट कर हत्या एमवीए सरकार के शासन के दौरान पालघर जिले में हिंदू साधुओं की भीड़ द्वारा हत्या जैसी कई क्रूर घटनाएं सामने आईं। 16 अप्रैल 2020 को जूना अखाड़े से जुड़े दो साधु, 70 वर्षीय कल्पवृक्ष गिरि महाराज और 35 वर्षीय सुशील गिरि महाराज, अपने ड्राइवर 30 वर्षीय नीलेश तेलगाडेरे के साथ एक और साधु को समाधि देने के लिए मुंबई से जा रहे थे। गडकचिंचले गांव में 100 से ज्यादा लोगों की जंगली और उन्मादी भीड़ ने उन पर हमला कर दिया. ग्रामीणों ने उन्हें चोर समझ लिया और उन पर हमला करना शुरू कर दिया। पुलिस का दावा है कि 70 वर्षीय व्यक्ति को बचाने के लिए मौके पर पहुंची उनकी टीम भी हिंसक भीड़ के हमले की चपेट में आ गई। लेकिन बाद में ऐसे वीडियो सामने आए जिसने पुलिस के दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें देखा गया कि साधु पुलिस की हिरासत में थे, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया। इसके बाद भीड़ ने पुलिसकर्मियों के सामने ही उन्हें पीट–पीटकर मार डाला। बाद में यह भी बताया गया कि साधुओं की हत्या जानबूझकर और राजनीति से प्रेरित हो सकती है। इसमें ईसाई मिशनरी संगठनों, कुछ स्थानीय एनसीपी नेताओं और वामपंथियों की संलिप्तता का भी संदेह था। हालाँकि, शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने इस घटना को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया और दावा किया कि राज्य ने कभी भी किसी भी प्रकार की मॉब लिंचिंग की घटना नहीं देखी है।

कंगना के ऑफिस के अवैध निर्माण पर बुलडोजरसितंबर 2020 में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने उनके मुंबई स्थित ऑफिस में अवैध निर्माण को लेकर 24 घंटे में दूसरा नोटिस भेजा। इसके कुछ देर बाद ही बीएमसी की एक टीम बुलडोजर, क्रेन और हथौड़े लेकर पहुंच गई और ऑफिस में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

दफ्तर तोड़े जाने को लेकर कंगना ने ट्वीट कर कहा था कि मणिकर्णिका फिल्म्ज में पहली फिल्म अयोध्या की घोषणा हुई, यह मेरे लिए एक इमारत नहीं राम मंदिर ही है, आज वहां बाबर आया है, आज इतिहास फिर खुद को दोहराएगा राम मंदिर फिर टूटेगा मगर याद रख बाबर यह मंदिर फिर बनेगा यह मंदिर फिर बनेगा, जय श्री राम।

आईएफएफआई संस्कृतियों का जुड़ाव, सिनेमा की दिग्गज हस्तियों का सम्मान, भविष्य को आकार

कविता यादव

55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 20 से 28 नवंबर, 2024 के दौरान गोवा के मनोरम तट पर सिनेमाई उत्सव की एक नई छटा बिखेरने को तैयार है। इस वर्ष का यह महोत्सव महज फिल्मों की एक प्रदर्शनी से कहीं बढ़कर होने वाला है। विविध वैश्विक संस्कृतियों का संगम एवं उभरती प्रतिभाओं के लिए एक लॉन्चपैड होने के साथ–साथ यह आयोजन भारत की सिनेमाई विरासत के प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि भी होगा। आईएफएफआई 2024 न केवल अपने विकास की दृष्टि से बल्कि एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के रूप में एक ऐसा साहसिक कदम होगा, जो वैश्विक मंच पर भारत की जीवंत संस्कृति और सिनेमा की कला का उत्सव मनाएगा।इस वर्ष, विविध संस्कृतियों को जोड़ने और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के प्रति फिल्म महोत्सव की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आईएफएफआई ने ऑस्ट्रेलिया को आकर्षण का केन्द्रबिन्दु वाले देश (कंट्री ऑफ फोकस) के रूप में रेखांकित किया है। आईएफएफआई का यह खंड भारतीय दर्शकों को ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की उस तह में उतरने के लिए आमंत्रित करता है, जहां गंभीर नाटकों से लेकर साहसिक कॉमेडी और विचारोत्तेजक वृत्तचित्रों तक की चुनिंदा फिल्मों की थाह ली जायेगी। इस केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, दर्शकों को ऑस्ट्रेलिया की अनूठी और विकसित सिनेमाई भाषा का एक ऐसा अनुभव हासिल होगा जो आईएफएफआई को अंतर–सांस्कृतिक प्रशंसा एवं संवाद का एक शक्तिशाली मंच बनाएगा। ऐसा करने के क्रम में, आईएफएफआई 2024 एक ऐसे भावविभोर कर देने वाले अनुभव को संभव बनाने हेतु फिल्मों के पारंपरिक प्रदर्शन से परे जाएगा जो इस महोत्सव को दुनिया की विविध कहानियों, लोगों एवं संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करेगा।आईएफएफआई 2024 का नवीनतम पुरस्कार, भारतीय फीचर फिल्म का सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक पुरस्कार, भारतीय फिल्मकारों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डालेगा। यह पुरस्कार केवल एक मान्यता भर नहीं होगा। यह एक युवा निर्देशक के करियर में एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण होगा, जो भारतीय सिनेमा में नए दृष्टिकोण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। इस श्रेणी को पहली बार के निर्देशकों को समर्पित करके, आईएफएफआई रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें निरंतर प्रतिस्पर्धी होते फिल्म उद्योग में जगह बनाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। जहां विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव स्थापित प्रतिभाओं पर ही ध्यान केन्द्रित करते हैं, वहीं आईएफएफआई द्वारा नवोदित फिल्म निर्माताओं को मान्यता देना विकास को बढ़ावा देने और भारतीय सिनेमा के भविष्य को अपनाने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाता है।इस वर्ष का यह महोत्सव भारतीय सिनेमा की चार महान विभूतियों – राज कपूर, तपन सिन्हा, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और मोहम्मद रफी – को भी श्रद्धांजलि देगा। इन दिग्गज हस्तियों ने भारत की सिनेमाई विरासत को आकार दिया और कई पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों पर राज किया। पुनरोद्धार की गई पुरानी फिल्मों और विशेष रूप से तैयार की गई प्रस्तुतियों को पेश करके, आईएफएफआई नई पीढ़ी के लिए उनकी कलात्मकता को जीवंत बनाएगा और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को भारत के समृद्ध सिनेमाई इतिहास की एक सार्थक झलक प्रदान करेगा। यह श्रद्धांजलि भारतीय सिनेमा की गहराई, संस्कृति पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव और इन प्रणेताओं की स्थायी प्रासंगिकता की याद दिलाएगी।आईएफएफआई का फिल्म बाजार, अब अपने 18वें वर्ष में, एक ऐसे गतिशील बाजार के रूप में प्रस्तुत है जो फिल्म निर्माताओं, फाइनेंसरों, वितरकों और अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग की अग्रणी हस्तियों को एक साथ लाता है। अपने श्व्यूइंग रूमश् में 200 से अधिक फिल्मों के प्रदर्शन के साथ, फिल्म बाजार वह जगह है जहां कहानियों को निवेशक मिलते हैं, फिल्में वितरकों के साथ जुड़ती हैं और आपसी सहयोग का जन्म होता है। यह समर्पित मंच महोत्सव के दायरे से परे जाकर विभिन्न परियोजनाओं के विकास और उन्हें फलने–फूलने के अवसर पैदा करके केवल प्रदर्शन (स्क्रीनिंग) पर केन्द्रित अन्य फिल्म महोत्सवों से आईएफएफआई को अलग पहचान देता है। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों प्रकार के फिल्म निर्माताओं के संदर्भ में यह फिल्म बाजार वैश्विक दर्शकों के लिए एक प्रवेश द्वार और भविष्य की परियोजनाओं के लिए नेटवर्क एवं सुरक्षित समर्थन का एक दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है।आईएफएफआई का भारतीय पैनोरमा खंड इस महोत्सव की एक ऐसी पहचान बन गया है, जो दर्शकों को समकालीन भारतीय सिनेमा के विविध चयन की पेशकश करता है। 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर–फीचर फिल्मों को उनकी सिनेमाई उत्कृष्टता, विषयगत महत्व और सौंदर्यशील रचनात्मकता के लिए चुनकर भारतीय पैनोरमा कहानी कहने की भारतीय शैली की जीवंतता एवं विविधता को प्रदर्शित करता है। अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए, यह खंड भारत के सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य के बारे में एक प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो क्षेत्रीय कथाओं से लेकर कला के क्षेत्र में अग्रगामी प्रयोगों तक पर प्रकाश डालता है। यह खंड भारतीय सिनेमा को उसकी पूरी गहराई और विविधता में प्रस्तुत करने के आईएफएफआई के मिशन को पुष्ट करता है,।

जिससे यह वैश्विक स्तर पर फिल्म संबंधी परिचर्चा का एक अमूल्य हिस्सा बन जाता है।आईएफएफआई 2024 की असाधारण पहलों में से एक क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो (सीएमओटी) है। यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) का एक ऐसा कार्यक्रम है।

कहीं सियासी रूप तो नहीं लेता जा रहा है प्रयागराज का छात्र आंदोलन

अजय कुमार

अभ्यर्थियों ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ आयोग पर तंज कसते हुए पोस्टर के जरिये पदों की रेट लिस्ट भी जारी की। मंगलवार सुबह पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे थे और उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा था कि वह भी कभी प्रतियोगी छात्र रहे हैं।लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित की जा रही पीसीएस व आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) को लेकर छात्र जो आंदोलन कर रहे हैं,वह कहीं राजनैतिक रूप तो नहीं लेता जा रहा है। विपक्ष छात्रों के गुस्से को योगी सरकार के खिलाफ सियासी हथियार तो नहीं बना रहा है। ऐसा इस लिये लग रहा है क्योंकि छात्रों की जो मांगे हैं वह तर्कसंगत कम जिद्द वाली ज्यादा हैं। इतना ही नहीं छात्रों के प्रदर्शन में वह ताकतें भी नजर आ रही है जो किसी तरह से छात्र–छात्राएं नजर नहीं आ रहे हैं। विपक्ष भले योगी सरकार के खिलाफ इसको सियासी मोहरा बना रहा हो, लेकिन इस आंदोलन को लेकर शिक्षाविदों की राय अलग है।कई शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी तरह के विरोध में से पहले छात्रों को प्रक्रिया को समझना जरूरी है। विरोध में सीधे सड़क पर उतर आना ठीक नहीं है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षक रहे प्रो. योगेश्वर तिवारी का कहना है कि आंदोलित छात्रों को मानकीकरण की प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने के उपरांत ही कोई निर्णय लेना चाहिए। शिक्षाविद और काउंसलर डॉ. अपूर्वा भार्गव का कहना है कि मानकीकरण की प्रक्रिया का विरोध अगर इस आधार पर किया जा रहा है कि सरल और कठिन प्रश्नों के पूछे जाने से समान लाभ सबको नहीं मिलेगा तो यह उचित नहीं है। प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाओं में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता हमेशा से रही है, ताकि इस सेवा के योग्य अभ्यर्थियों को इसमें स्थान मिल सके। मानकीकरण की प्रक्रिया भी इसी परीक्षा में गुणात्मक सुधार का एक प्रयास है। इस आधार पर भी इसे लागू करने का विरोध समझ से परे है।उधर, आयोग के बाहर चल रहे प्रदर्शन के दौरान सरकारी बैरियर व कोचिंग का बोर्ड तोड़ने पर 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से दो नामजद अभिषेक शुक्ला और राघवेन्द्र व अन्य अज्ञात आरोपी हैं। उधर, माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने पर 10 को हिरासत में लिया गया है, जिनसे देर रात तक पूछताछ जारी है। जबकि आज तीसरे दिन भी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अभ्यर्थियों का उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन जारी है। वे मांग कर रहे हैं कि पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षाएं एक दिन और एक शिफ्ट में आयोजित की जाएं।इससे पहले, प्रयागराज में धरना स्थल पर मंगलवार को ड्रम और नगाड़ों के शोर में यह नारा गूंजता रहा– जुड़ेंगे और जीतेंगे भी। अभ्यर्थियों ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ आयोग पर तंज कसते हुए पोस्टर के जरिये पदों की रेट लिस्ट भी जारी की। मंगलवार सुबह पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे थे और उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा था कि वह भी कभी प्रतियोगी छात्र रहे हैं।उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि आयोग के सामने से उठें और उनके साथ सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर चलें, क्योंकि इससे रास्ता बंद हो गया है और आम लोगों को दिक्कत तो रही है,लेकिन छात्र अपनी जिद्द पर अड़े हुए हैं।

पछुआ हवाओं के साथ प्रदेश में गिरने लगा पारा

– लखनऊ से सटे कई जिलों में सुबह दिखा घना कोहरा

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में मौसम बदल रहा है। दिन और रात मे तापमान में गिरावट के साथ अब प्रदेश के कई जिलों में कोहरे ने अपनी दस्तक दे दी है। प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बुधवार को पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से सुबह शाम की हवा में सिहरन महसूस की गई।

इसके साथ ही पूर्वी और पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली। हालांकि अधिकतम तापमान में फिलहाल कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला और दिन में अभी भी तपिश महसूस की गई। विभिन्न इलाकों में तापमान में आंशिक गिरावट के बावजूद अगले कुछ दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा ही रहने वाला है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में पछुआ हवाओं के चलने से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिलेगी। वहीं प्रदेश के तराई इलाकों में सुबह के वक्त घने कोहरे का असर रहेगा।बुधवार को 34 डिग्री के अधिकतम तापमान के साथ प्रयागराज सर्वाधिक गर्म रहा। झांसी में अधिकतम 33.9 डिग्री और वाराणसी में 33.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो कानपुर में 14.8 डिग्री, अयोध्या में 15.5 डिग्री और मुजफ्फरनगर में 15.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।कई जिलों में छाया कोहरा यूपी में लखनऊ से सटे कई जिलों में गुरुवार को कोहरा देखने को मिला। अंबेडकरनगर जिले में सुबह से घना कोहरा छा गया। इससे सड़क पर चलना सबसे ज्यादा मुश्किल हुआ। इस सीजन का यह सबसे घना कोहरा है। यूं तो सुबह की शुरुआत सामान्य ढंग से कोहरे के साथ हुई लेकिन दिन बढ़ने के साथ कोहरा घना होता गया। वाहनों को इसके बाद लाइट जलाकर चलने को विवश होना पड़ा।

उनकी रफ्तार भी कम हुई।बहराइच में छाया कोहरा बहराइच में बृहस्पतिवार सुबह से ही घना कोहरा छाया है। कोहरे के दस्तक ने सड़क पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है। कोहरे के चलते शहर में सुबह चहल–पहल कम रही। कृषि विभाग के अफसरो का भी कहना है कि कोहरे से फसलों को नुकसान नहीं है। इससे किसानों का फायदा ही होगा।मौसम के बदलाव का असर ट्रेनों के संचालन पर भी पड़ेगा। कोहरे के चलते आगरा फोर्ट, जनता सहित दर्जनों ट्रेनें फिर से निरस्त होंगी। रेलवे इनकी सूची बना रहा है। कोहरे के चलते हर साल फरवरी तक कई ट्रेनों को निरस्त किया जाता है। रेलवे ने उन ट्रेनों की सूची तैयार करना शुरू कर दिया है,

इसके लिए यात्रियों की मांग व लोड को भी देखा जा रहा है।

आयुषी खुराना और भरत अहलावत ने राजधानी में अपने नए शो `जाने अनजाने हम मिले' का किया प्रमोशन

उठाया स्थानीय ज़ायके और स्ट्रीट शॉपिंग का लुत्फ

संवाददाता

लखनऊ। शहर के मेहमान बने एक्टर आयुषी खुराना और भरत अहलावत ने राजधानी में अपने नए शो 'जाने अनजाने हम मिले' का आज प्रमोशन किया और स्थानीय ज़ायके और स्ट्रीट शॉपिंग का लुत्फ भी लिया। हाल में ज़ी टीवी का लॉन्च हुआ फिक्शन शो – जाने अनजाने हम मिले – अपनी दिलचस्प कहानी के चलते सुर्खियों में है। यह शो रीत और राघव का सफर दिखाता है, जो शादी की एक प्राचीन परंपरा 'आटा साटा' का हिस्सा बनते हैं। इस रिवाज़ को ज्यादा नहीं जाना जाता है लेकिन ये परंपरा राजस्थान और गुजरात के कुछ क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। इस रस्म में एक परिवार की बेटी का विवाह दूसरे परिवार में होता है, जबकि उस दूल्हे की बहन का विवाह दुल्हन के भाई से होता है। इस प्रकार, दोनों परिवार एक गहरे और आपसी रिश्ते में बंध जाते हैं, जहां दोनों परिवारों की खुशियां एक–दूसरे पर निर्भर होती हैं।ज़ी टीवी का नया शो 'जाने अनजाने हम मिले' ऐसे रिश्तों की उलझनों को बारीकी से सामने लाता है जो आटा साटा विवाह से जुड़े होते हैं। सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे प्रसारित इस शो में दो दिलचस्प किरदारों, रीत और राघव, को पेश किया गया है। रीत, जिसे आयुषी खुराना निभा रही हैं, ग्वालियर की एक कड़े उसूलों वाली आत्मनिर्भर पत्रकार हैं, जो समाज की स्थापित परंपराओं को चुनौती देती हैं। वो प्यार के लिए नहीं बल्कि अपने भाई के भविष्य की खातिर आटा साटा के इस रिश्ते में बंधने को तैयार होती है।

रीत के अपोजिट हैं राघव, जिनका किरदार भरत अहलावत निभा रहे हैं। राघव एक सफल कंस्ट्रक्शन बिज़नेस चलाते हैं जो अपनी बहन उन्नति से बेहद प्यार करते हैं। वो अपनी बहन का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए 'आटा साटा' की परंपरा को अपनाने का फैसला करते हैं और रीत से शादी का प्रस्ताव रखते हैं। इस तरह, रीत एक तरह से उनकी बहन की सुरक्षा की गारंटी बन जाती हैं 'जाने अनजान हम मिले' शो के मुख्य कलाकार – आयुषी खुराना और भरत अहलावत नवाबों के शहर लखनऊ पहुंचे।

उन्होंने शहर की कुछ मशहूर जगहों का दौरा किया, फैंस से मिले, लोकल खाने का स्वाद चखा और अपनी उपस्थिति से सभी को प्रभावित किया।आयुषी ने कहा, ''लखनऊ आकर 'जाने अनजाने हम मिले' का प्रमोशन करने का एक अलग ही अनुभव था। साथ ही, यहां की चाट का स्वाद लेना और मां के लिए चिकनकारी कुर्ते लेना भी बहुत मजेदार अनुभव रहा। यहां के लोगों की गर्मजोशी और इस शहर की संस्कृति ने मेरा दिल छू लिया।

उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा 165 नवीन प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करने के दिये गये निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलायें जाने के उद्देश्य से मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान द्वारा आज आयोग मुख्यालय लखनऊ पर महिला जनसुनवाई की गयी। सुनवाई के दौरान 10 प्रचलित प्रकरणों के साथ आयोग मुख्यालय पर विभिन्न जनपदों से आये 16 पीड़ित आवेदिकाओंआवेदकों द्वारा दिये गये नवीन प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई कर उनके निस्तारण के निर्देश दिये गये व साथ ही विभिन्न माध्यमों से आयोग कार्यालय में प्राप्त 165 नवीन प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये गये।इसके अतिरिक्त आज मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश के 21 जनपदों में क्रमशः कौशाम्बी में आयोग की मा. उपाध्यक्ष एवं मा. सदस्यों के द्वारा भी मिशन–शक्ति फेज–5 के अन्तर्गत महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं की जानकारी, विभिन्न महिला गृहो एवं आगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण तथा महिला उत्पीड़न की घटनाओं की उक्त जनपदों के वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ महिला जनसुनवाईध्समीक्षा बैठक कर पीड़ित महिलाओं की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कराया गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टायर फटने से बस में लगी आग

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टायर फटने से चलती बस में आग लग गई। इससे हड़कंप मच गया। इस समय बस में 42 यात्री सवार थे।पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टोल से पहले बृहस्पतिवार सुबह टायर फटने से चलती बस में आग लग गई। साइड मिरर में लपटें व धुआं उठता देख चालक ने बस किनारे खड़ी कर दी।

आनन–फानन यात्रियों को नीचे उतारा गया। उधर, आग की लपटों ने बस को अपनी चपेट में ले लिया।सूचना पाकर पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बस जल चुकी थी। गोसाईंगंज के शाहजादे खेड़ा के पास बृहस्पतिवार सुबह करीब 6रू30 बजे चलती बस में आग लग गई। दिल्ली निवासी चालक राजेश शर्मा ने सूझबूझ दिखाते हुए बस किनारे लगाकर खड़ी कर दी।बस पर सवार 42 यात्रियों को सकुशल सामान सहित उतारा गया। देखते ही देखते आग की लपटों ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। बस धू धू कर जलने लगी।

पीडीए से मुख्यमंत्री के पेट में दर्द हो रहा है – अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज कानपुर के सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबन्धन की प्रत्याशी नसीम सोलंकी के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। अखिलेश यादव ने नसीम सोलंकी को भारी मतों से जिताने की अपील की।अखिलेश यादव ने कहा कि सीसामऊ का उपचुनाव विशेष परिस्थितियों में हो रहा है। जबरदस्ती चुनाव कराया जा रहा है। सरकार ने झूठे मुकदमे लगाकर विधायक इरफान सोलंकी पर कार्रवाई की। उसकी वजह से चुनाव में जाना पड़ा। हमें उम्मीद है न्यायालय से विधायक को न्याय मिलेगा और वह जेल से छूटेंगे। सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी प्रत्याशी नसीम सोलंकी की रिकार्ड मतों से जीत होगी। कहा कि भाजपा के लोग उपचुनाव की तारीख आने के बाद घबराए हुए है। चुनाव टालने का प्रयास किया। चुनाव टालने वाले हारेंगे। भाजपा सौ फीसदी विधानसभा उपचुनाव हारेगी। भाजपा नौ की नौ सीटे हारेगी। यूपी में उपचुनाव तो हारेगी ही भाजपा महाराष्ट्र का विधान सभा चुनाव भी हारेगी। मुख्यमंत्री की कुर्सी छिन जाएगी। भाजपा ने पहले अयोध्या में मिल्कीपुर चुनाव टाला, क्योंकि सर्वे में वह चुनाव हार रहे है। उपचुनाव 13 तारीख को होना था, लेकिन हार के डर से टालकर 20 तारीख कर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी पीडीए के बारे में अनाप–शनाप बोल रहे है। पीडीए से मुख्यमंत्री के पेट में दर्द हो रहा है। जब से पीडीए का नारा चला है, ये घबराये घूम रहे हैं। भाजपा सरकार के पास एक भी बुनियादी सवाल का जवाब नहीं है। भाजपा सरकार नौजवानों को नौकरी रोजगार नहीं दे रही है। परीक्षा प्रणाली में हेराफेरी करती है। गलत प्रश्नोत्तर बनाते है। पेपर बनवाने वाले, लीक कराने वाले, परीक्षा रद्द कराने, कॉपी बदलवाने और आरक्षण का हक मारने वाले सब भाजपाई है। प्रयागराज में हजारों नौजवान धरने पर बैठे हैं। सरकार एक साथ परीक्षा नहीं कराना चाहती है। जो लोग वन नेशन, वन इलेक्शन का नारा देते हैं वह एक साथ परीक्षा नहीं करा पा रहे है। यह पता नहीं कैसी परीक्षा कराना चाह रहे है। योगी सरकार उत्तर प्रदेश के लिए अनुपयोगी है। लोक सेवा आयोग नौकरी नहीं दे पा रहा है। भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहा है। नौजवान भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से त्रस्त है। लोकसभा चुनाव में नौजवानो ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया। नौजवान जानता है कि नौकरी देना और पेपर कराना भाजपा के एजेण्डे में नही है। भाजपा नौजवानों और उनके भविष्य को धोखा दे रही है। नौजवान इस युवा विरोधी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकेगा। नौजवान उपचुनाव में तो भाजपा को हरायेगा ही 2027 के विधान सभा चुनाव में भाजपा की सरकार हटाने का काम करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में मंहगाई, बेरोजगारी चरम पर है। आज पिछले कई वर्षो में सबसे ज्यादा मंहगाई दिखाई दे रही है। हर चीज के दाम बढ़ गये है। मंहगाई की वजह से त्यौहार भी फीके पड़ गये है। मंहगाई के कारण लोग दुखी है और परेशान है। भाजपा के लोग मुनाफा कमाकर मंहगाई बढ़ा रहे हैं। मंहगाई बढ़ाने के साथ किसानों के लिए संकट पैदा किया है। सरकार किसानों को धोखा दे रही है। पहले तो खाद की बोरी में चोरी होती थी अब तो डीएपी की पूरी बोरी ही चोरी हो रही है। किसानों को डीएपी और अन्य खाद नहीं मिल रही है। भाजपा के लोग डीएपी की कालाबाजारी कर रहे है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था बर्बाद कर दी है। जो दंगे हो रहे है उसकी दोषी और जिम्मेदार भाजपा है। दंगा भाजपाइयों ने कराया। भाजपा के लोगो ने खुद भाजपाइयों पर दंगा भड़काने का केस दर्ज कराया। बुनियादी सवालो से ध्यान हटाने के लिए भाजपा के लोग दंगा कराते है। नफरत फैलाते है। नकारात्मक नारे बनाकर जनता में फैलाते है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। ये निगेटिव सोच के लोग हैं। जनता भाजपा को नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा के नेताओं को चेहरे से भाव नकारात्मक दिखाई देते है। उनके हाथ में विनाशकारी रेखा है।अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए भाजपा की निगेटिव राजनीति को हराकर पाजिटिव और प्रोगेसिव पालिटिक्स को आगे बढ़ा रहा है। भाजपाई भी जानते है भाजपा बचाने वाली नही फंसाने वाली पार्टी है।

प्रदेश में अब तक 1.59 करोड़ परिवारों को जारी किये गये जॉब कार्ड

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में गांवों के चहुंमुखी विकास के कार्य निर्बाध गति से चल रहे हैं। ग्रामीण परिवारों को काम के लिए बाहर पलायन न करना पड़े, इसलिए ग्रामीण परिवारों को उनके गांव में ही मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध करायें जाने की मुकम्मल व्यवस्था की गयी है। ग्रामीण परिवारों को नियमानुसार रोजगार दिया जा रहा है।ग्रामीण परिवारों को जॉब कार्ड जारी करने में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।प्रदेश में अब तक 1,59,04,869 परिवारों को जॉब कार्ड जारी किये जा चुके हैं।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार और वंचित वर्गो के इच्छुक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। यह योजना बेरोजगारों और रोजगार की जरूरत वाले लोगों के लिए "काम करने के अधिकार" की गारंटी देता है। एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिन का मजदूरी रोजगार प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका को बढ़ाने का निरंतर प्रयास जारी है। प्रदेश में सीतापुर जनपद ने अब तक सबसे ज्यादा परिवारों को जॉब कार्ड जारी किये हैं। बता दें कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना के तहत स्थानीय ग्राम पंचायत में रजिस्ट्रेशन कराने वाले आवेदक को जारी किया जाने वाला दस्तावेज है। मनरेगा जॉब कार्ड, इस योजना के तहत नामांकित व्यक्ति के लिए एक पहचान प्रमाण की भूमिका भी निभाता है। बता दें कि इस कार्ड में, रजिस्टर्ड व्यक्ति से संबंधित सारे विवरण रहते हैं। इसमें व्यक्ति का नाम, मनरेगा रजिस्ट्रेशन नंबर, परिवार का विवरण, इत्यादि शामिल रहता है। यह जॉब कार्ड, इस योजना के तहत व्यक्ति की हकदारी के प्रमाण की भूमिका भी निभाता है। मनरेगा अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से 'काम करने का अधिकार' मिल जाता है। यदि पंजीकरण के 15 दिनों के भीतर काम नहीं दिया जाता है तो श्रमिक को प्रतिदिन बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। मनरेगा जॉब कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण कराना होता है।

कॉस्मेटिक कारोबारी का मिला शव, गले व शरीर पर मिले चोट के निशान

संवाददाता

लखनऊ। घर से दवा लेने की बात कहकर बाइक से निकले कॉस्मेटिक कारोबारी का शव बुधवार सुबह चिनहट कठौता झील के पास पड़ा मिला। कारोबारी के गले पर कसाव के निशान थे और शरीर कई जगह चोटें लगी थीं। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए चिनहट पुलिस को तहरीर दी है।इंदिरानगर सेक्टर–9 निवासी फरीद मड़ियांव फूलबाग में कॉस्मेटिक का व्यापार करते है। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे घर से लोहिया संस्थान दवा लेने की बात कहकर निकले थे। भाई मोईद अनवर ने बताया कि रात करीब नौ बजे तक घर नहीं लौटे तो बहन ने फरीद को कॉल की। इस पर उन्होंने थोड़ी देर में घर आने की बात कहकर कॉल काट दी।

एल्डिको ग्रीन कॉलोनी में पेट्रोल पंप के लिए आवंटित जमीन पर बनाया जा रहा कॉम्प्लेक्स

संवाददाता

लखनऊ। लालबत्ती चौराहे से लोहिया पथ होते हुए पॉलिटेक्निक

चौराहे तक जाना है तो वाहन का पेट्रोल जरूर चेक कर लें। क्योंकि एल्डिको ग्रीन कॉलोनी के पास जो पेट्रोल पंप था, उसे बंद कर कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। अब आठ किमी के दायरे में कोई पेट्रोल पंप नहीं है। नगर निगम की मेहरबानी से बिल्डर को तो फायदा हुआ, मगर आमजन की परेशानी बढ़ेगी।नगर निगम की एल्डिको ग्रीन कॉलोनी की जमीन पर पेट्रोल पंप था। नगर निगम ने करीब बीस साल पहले पेट्रोल पंप के लिए 10 हजार वर्ग फीट के प्लॉट का लीज एक नेताजी की पत्नी को दिया था। ये नेताजी कई बार सांसद रहे हैं और इस समय भी हैं। इस समय यहां जमीन की कीमत 20 हजार रुपये प्रति वर्ग फीट के आसपास है। यहां पर एक मॉल बन जाने के बाद जमीन की कीमतें और बढ़ी हैं।गुपचुप तरीके से दी गई पेट्रोल पंप बंद कर कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए एनओसीसूत्रों ने बताया कि पेट्रोल पंप की जमीन पर कॉम्प्लेक्स बनाना फायदे का सौदा है। जितनी कमाई पेट्रोल पंप से होती है, उससे कई सौ गुना कमाई कॉम्प्लेक्स बनने से बिल्डर को होगी। पेट्रोल पंप को बंद कर सीधे कॉम्प्लेक्स बनाना अवैध होता। इसलिए बिल्डर ने नगर निगम से एनओसी भी ली। इसके लिए गुपचुप काम किया गया। एनओसी मिलने के बाद बिल्डर ने एलडीए से मानचित्र भी पास करा लिया और दो साल से वहां पर निर्माण चल रहा है। यानी जो जमीन आम जनता की सुविधा को देखते हुए पेट्रोल पंप के लिए आवंटित की गई थी, वह सुविधा छिन गई।कौड़ियों के भाव आवंटित हुई थी जमीनएल्डिको ग्रीन कॉलोनी में नगर निगम ने करीब 20 साल पहले प्लॉटों का आवंटन लीज पर किया था। तब जमीन की कीमत महज 125 रुपये वर्ग फीट लगाई गई थी। इतना ही नहीं लीज रेंट भी नाम मात्र का है। ऐसे में जो जमीन 125 रुपये वर्ग फीट में दी गई थी, उसकी कीमत अब कई सौ गुना बढ़ गई है। इतना ही नहीं पेट्रोल पंप की जगह कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए जमीन का कोई प्रीमियम भी बिल्डर को नगर निगम को नहीं देना पड़ा।

सिर्फ लीज रेंट नात्र मात्र की बढ़ोतरी कर 19 हजार रुपये सालाना किया गया।फैक्ट फाइलकरीब 35 एकड़ के दायरे में कॉलोनी विकसित की गई है।

कॉलोनी में कुल 351 भूखंड 99 साल की लीज पर आवंटित किए गए हैं।आवंटन 1998 से 2003 के बीच किए गएनियमों के तहत उस समय एक भूखंड पेट्रोल पंप के लिए दूसरा कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के लिए आवंटित किया गया थासंपत्ति विभाग से ली जाएगी रिपोर्टएल्डिको ग्रीन कॉलोनी में जमीन का आवंटन दो दशक पहले हुआ था। उस समय क्या नियम शर्तें थीं, संपत्ति विभाग से उसकी रिपोर्ट ली जाएगी। पेट्रोल पंप की जगह कॉम्प्लेक्स बनाने की अनुमति देने की क्या व्यवस्था रही, इस बारे में भी जानकारी मांगी जाएगी।

यूपी में होगा कई प्रदेशों की जनजाति संस्कृतियों का संगम–असीम अरुण

–15 से 20 नवंबर तक चलेगा अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवम जनजाति कल्याण विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव मनाया जाएगा। बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश–विदेश की लोक संस्कृति उतरेगी। आयोजन का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी करेंगे। इसमें स्लोवाकिया व वियतनाम के लोक कलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत होगा।''अंतर्राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव'' से पूर्व लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज कल्याण मंत्री, अनुसूचित जाति–जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। प्रतिदिन शाम पांच से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें सहरिया, बुक्सा आदि जनजाति के लोकनृत्य का भी अवलोकन किया जा सकेगा तो वहीं दूसरी तरफ जनजाति लोकवाद्यों को भी मंचीय प्रदर्शन होगा। पोथी घर में जनजाति साहित्य के पुस्तकों का भी अवलोकन कर सकेंगे।यूपी में होगा 22 राज्यों के 38 लोकनृत्य का संगमसमाज कल्याण मंत्री ने बताया कि 15 से 20 नवंबर तक 22 राज्यों के 38 लोकनृत्य का संगम होगा। इसमें मेजबान उत्तर प्रदेश के डोमकच, झीझी, जवारा, नगमतिया, चंगेली नृत्य से दर्शक अवगत होंगे। वहीं बिहार के उरांव, उत्तराखंड के झैंता, मध्य प्रदेश के भगौरिया, बैगा, रमढोला, पश्चिम बंगाल के नटुआ, मिजोरम के चेरांव, अरुणचाल प्रदेश के अका, पंजाब के शम्मी, केरल के इरुला, छत्तीसगढ़ के गंडी, भुंजिया, माटी मांदरी नृत्य से भी यूपी के दर्शक रूबरू होंगे। हिमाचल प्रदेश के सिरमौरी नाटी, राजस्थान के कालबेलिया, लंगा, मागजिहार व तेराताली, असम के बरदोई व शिखला लोकनृत्य की प्रस्तुति भी उत्तर प्रदेश में होगी। त्रिपुरा के हौजागिरी, झारखंड के खड़िया, गोवा के कुनबी, गुजरात के सिद्धि धमाल, जम्मू–कश्मीर के मोंगो (बकरवाल), सिक्किम के सिंघी छम, महाराष्ट्र के सांघी मुखौटा, ओड़िसा के घुड़का व कर्नाटक के फुगडी लोकनृत्य का संगम भी इस कार्यक्रम में होगा।पोथी घर में जनजाति पुस्तकों का कर सकेंगे अवलोकन असीम अरुण ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पोथी घर में भारत के जनजाति साहित्य से जुड़ी पुस्तकों के स्टॉल भी लगेंगे। इसमें देश की जनजातीय पर उनके गीत, नृत्य, चित्रकला, संस्कार, खेलकूद व रहन–सहन आदि की पुस्तकों का विक्रय व प्रदर्शन किया जाएगा। वहां के रहन–सहन, खान–पान, संस्कृति के बारे में भी जान सकेंगे। 16 से 20 नवंबर तक अनेक प्रांतों के लोकनृत्यध्लोकगीतों से जुड़े कार्यक्रम अनवरत चलते रहेंगे। दोपहर 12 बजे से विमर्श भी होगा। 16 को क्रांतिकारी बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, 17 को जनजाति शिक्षा व स्वास्थ्य–जागरूकता व समाधान पर विमर्श कार्यक्रम होगा। 18 को 'लोकल से ग्लोबल तक' जनजातियों में उद्यमिता विकास की संभावनाएं तक विमर्श होगा। 19 को इसका विषय जनजाति विरासत संरक्षण व संवर्धन है। 20 को जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर विमर्श होगा।जनजाति लोकवाद्यों का भी करेंगे दीदार, देसी व्यंजनों का स्वाद भी करेगा आकर्षितसमाज कल्याण मंत्री ने बताया कि 19–20 नवंबर को मध्य प्रदेश की टीम की तरफ से जननायक बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाटक की प्रस्तुति होगी। जनजाति लोक वाद्यों का मंचीय प्रदर्शन भी होगा। बुक्सा, सहरिया जनजाति, त्रिपुरा के हौजागिरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी लोकनृत्य का भी आनंद उठा सकेंगे। 20 नवंबर को जनजाति कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन में घुमंतु जाति के कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। जादू के भी कार्यक्रम होंगे। आयोजन में देसी व्यंजनों का स्वाद भी आकर्षित करेगा।

बीकेटी में भारी मात्रा में चंडीगढ से बिहार जा रही 10 लाख रुपए कीमत की अवैध शराब बरामद

संवाददाता

लखनऊ। आबकारी टीम लखनऊ द्वारा आज बीकेटी के इंदौराबाग में भारी मात्रा में चंडीगढ से बिहार जा रही अवैध शराब पकड़ी गई है।

ट्रक से लगभग 10 लाख रुपए कीमत की 913 लीटर अवैध शराब बरामद हुई और चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।यह जानकारी जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ राकेश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि आबकारी टीम को सूचना मिली कि एक ट्रक जीरकपुर पंजाब से अवैध शराब लेकर लखनऊ के रास्ते पटना, बिहार जा रहा है। ट्रक को पकड़ने के लिए आबकारी निरीक्षकों की एक टीम गठित की गई। ट्रक सीतापुर के रास्ते होते हुए आज सुबह लगभग 5.15 बजे लखनऊ के इंदौराबाग चौराहे के पास पहुंचा। आबकारी टीम द्वारा वाहन को रोक कर चालक से पूछताछ की गई। चालक द्वारा ट्रक में दवाई तथा मुर्गी दाने की बोरियां बताई गईं, किंतु ट्रक की सघनता से तलाशी ली गई तो मुर्गी दाने की बोरियां तथा दवाई के गत्तों के बीच छुपाकर अवैध मदिरा रखी पायी गई।जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि ट्रक से चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश में बिक्री हेतु अनुमन्य रॉयल चौलेंज व्हिस्की के 344 बोतल (प्रत्येक 2 लीटर) तथा रॉयल बैरल सलेक्ट व्हिस्की के 300 बोतल (प्रत्येक 750 एमएल) सहित कुल 913 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, ।

ट्रक चालक हरी राम के विरुद्ध थाना बीकेटी में आबकारी अधिनियम की धारा 60, 63,72 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2), 318(4) में अभियोग पंजीकृत किया गया उन्होंने बताया कि चालक द्वारा पूछताछ में बताये गये संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पर्यटन का शानदार अनुभव, अब आपके हाथ में बस एक क्लिक दूर-जयवीर सिंह

संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन विभाग ने देशी–विदेशी सैलानियों को प्रदेश के पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक ऐप तैयार कराया है। जिसके माध्यम से पर्यटक एक क्लिक पर प्रदेश के धार्मिक–अध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे पर्यटकों का धन के साथ समय की बचत होगी और आसानी से अपने गन्तव्य स्थल तक जा सकेंगे। यूपी टूरिज्म नामक मोबाइल ऐप से पर्यटन से जुड़ी सभी सूचनायें प्राप्त कराने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य देशी–विदेशी पर्यटकों को उ0प्र0 की ओर आने के लिए आकर्षित करना है।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने देते हुए बताया कि यूपी पर्यटन के क्षेत्र में विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यहां विश्वस्तरीय धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक सहित अन्य पर्यटन स्थल हैं। इसके अलावा, कुजीन, आर्ट एंड क्राफ्ट प्राचीन काल से लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। प्रदेश में बढ़ते पर्यटन के साथ किसी एक ऐसे ऐप की आवश्यकता थी, जिस पर पर्यटन से जुड़ी सभी अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध हों। इसमें प्रत्येक जिले के पर्यटन स्थल, ठहराव स्थल, खान–पान, प्रमुख पर्व–त्योहार आदि की सूचना का समावेश किया गया है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि जैसे लखनऊ घूमना है तो ऐप में लखनऊ सर्च करना होगा। इसके बाद यहां के पर्यटन स्थल दिलकुशा कोठी, हनुमान सेतु, रामकृष्ण मठ, छतर मंजिल, लाल बारादरी, मनकामेश्वर मंदिर, रेजीडेंसी, बड़ा इमामबाड़ा, माता चंद्रिका देवी मंदिर सहित अन्य स्थलों का नाम आ जाएगा। साथ ही, वहां की दूरी, सर्वश्रेष्ठ यात्रा का समय, पता, कनेक्टिविटी, मार्केट, मॉल और आसपास के आकर्षण का नाम सामने आ जाएगा। इतना ही नहीं, हस्तकला में चिकनकारी कढ़ाई, जरी जरदोजी, चांदी के बर्तन का काम, टेराकोटा आदि की जानकारी भी मिल जाएगी। यहां के प्रसिद्ध खान पान की सूचनाएं भी उपलब्ध होंगी।जयवीर सिंह ने बताया कि इसी तरह अयोध्या, काशी, मथुरा, झांसी, गोरखपुर समेत अन्य सभी छोटे–बड़े पर्यटन स्थलों की सूचनाएं भी ऐप पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, प्रमुख पर्व–त्योहार और उत्सवों जैसे–देव दीपावली, दीपोत्सव, रंगोत्सव, कुंभ–महाकुंभ, कृष्ण जन्माष्टमी आदि की जानकारी उपलब्ध है। यहां यूपीएसटीडीसी द्वारा भ्रमण के लिए तैयार विशेष भ्रमण पैकेज की जानकारी के साथ ही बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। ऐप के माध्यम से ही होटल, होमस्टे, पेइंग गेस्ट, एएसआई साइट्स, ट्रेन, बस और फ्लाइट की बुकिंग की जा सकती है। ऐप को क्यूआर कोड के माध्यम से भी इंस्टॉल किया जा सकता है।

आरक्षण व्यवस्था से भारतीय प्रतिभा का पलायन हो रहा है - पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश की लगभग 20: प्रतिभा हर साल विदेश चली जा रही है। आरक्षण की व्यवस्था से घबड़ा कर विदेश जाने वाले बच्चे वहां की व्यवस्था की ही बड़ाई करते हैं। आरक्षण की व्यवस्था में योग्य व्यक्ति को मौका न देकर अयोग्य व्यक्ति को योग्य होने का सर्टिफिकेट दिया जाता है। उक्त बाते बीआरपी इंटर कॉलेज मैदान में चल रही श्री राम कथा में गुरुवार को भक्तों को संबोधित करते हुए पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने सुप्रसिद्ध समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से आयोजित सप्त दिवसीय रामकथा के पांचवे दिन व्यासपीठ से भगवान की वन प्रदेश की मंगल यात्रा से जुड़े प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था या अन्य सामाजिक व्यवस्था में आरक्षण की व्यवस्था प्रतिभा सम्पन्न बच्चों में रोग फैला रही है।पूज्य श्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही देश के साधु संतों का अपमान होता आया है। पिछले एक दशक से यह स्थिति बदली है। भारत भूमि धर्म की भूमि है, तीर्थों की भूमि है, ऋषि मुनियों की भूमि है, धर्मशील आचरण करने वाले महापुरुषों की भूमि है, साधु संतों की भूमि है। राघवजी की कृपा से देश को धर्मशील प्रशासक मिला है तो सनातन धर्म की बाधा मिट रही है। पूज्यश्री ने कहा कि राम और रावण की एक ही राशि थी। रावण ने ब्राह्मण कुल में जन्म लिया था और भगवान राम क्षत्रिय कुल में जन्मे थे। कुल तो रावण का श्रेष्ठ था लेकिन, जब हम दोनों के व्यवहार की बात करते हैं, आचरण की बात करते हैं, आहार और विहार की बात करते हैं तो राम जी हर मामले में रावण से श्रेष्ठ थे। राम जी और रावण दोनों शिवजी की पूजा करते हैं लेकिन एक की पूजा संसार के लोगों को संताप देने के लिए तो दूसरे की पूजा संसार को शांति प्रदान करने के लिए है। समाज में आम लोग श्रेष्ठ के ही आचरण का अनुकरण और अनुसरण करते हैं ऐसे में सभी श्रेष्ठ व्यक्तियों के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने आचार, व्यवहार, आहार में श्रेष्ठता का प्रदर्शन करें, जिनका अनुकरण किया जा सके। भारतीय सनातन संस्कृति में यह बार–बार प्रमाणित हुआ है कि जो भी व्यक्ति धर्म पथ पर चलते हुए संसार में विचरण करते हैं, उनके घर से दुख भी दूरी बना कर रहता है और ऐश्वर्य स्वयं चलकर उनके घर पहुंचते हैं। पूज्यश्री नें कहा कि महर्षि बाल्मीकि की यह शिक्षा मनुष्य को हमेशा याद रखने की आवश्यकता है कि भगवत प्रसाद का रस अपने आप प्राप्त नहीं होता है। इसके लिए प्रयास करना ही पड़ता है। जिस मनुष्य को इस प्रसाद का रस लग जाता है उसकी सभी कर्मेंद्रियां अपने आप भगवान में लग जाती हैं। और ऐसे ही मनुष्य का जीवन धन्यता को प्राप्त होता है। इस आयोजन के मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह जी ने सपरिवार व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी।

छात्राओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना जानकीपुरम क्षेत्र के अंतर्गत मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत आज दिनाँक 15/11/2024 शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं व साइबर फ्राड व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर म0उ0नि0 शिवानी वर्मा व अन्य कर्मचारी गण द्वारा क्षेत्र में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

पंजाबी संगठनों के प्रतिनिधियों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से उनके आवास पर भेंट की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'सतगुरू नानक प्रगट्या, मिली धुंध जग चानन होया।' ऐसे महान संत, समाज सुधारक और सिख पंथ के महान मार्गदर्शक गुरु नानक जी की 555वीं जयंती पर आज कई प्रमुख सिख तथा पंजाबी संगठनों के प्रतिनिधियों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से उनके आवास पर भेंट की।अखिलेश यादव ने उन्हें पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी तथा प्रकाश पर्व की बधाई दी।

अखिलेश यादव ने गुरु नानक के प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि नानक जी ने मानवता को परमात्मा की उपासना के साथ सेवा का अप्रतिम मार्ग भी सुझाया। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहब में सिख गुरुओं के उपदेशों के अलावा 30 अन्य संतों और मुस्लिम भक्तों की वाणी भी संकलित की। इनमें कबीर, रविदास, नामदेव, धन्ना और शेख फरीद की वाणी भी है। गुरू नानक जी ने सामाजिक बुराईयों का भी विरोध किया।

गुरू के पावन पर्व पर अखिलेश यादव से सनातनी पंजाबी महासभा के कार्यवाहक अध्यक्ष पवन मनोचा, उ0प्र0 सिख विचार मंच के अध्यक्ष गुरजीत छाबड़ा, महामंत्री कपिल अरोड़ा, उपाध्यक्ष अमृत पाल सिंह, कैण्ट परिक्षेत्र युवा व्यापार मंडल चेयरमैन मनमोहन सिंह, महामंत्री कुश अरोड़ा, महामंत्री रूबल सिंह, संगठनमंत्री सागर कोहली, फखरूल हसन चांद प्रवक्ता समाजवादी पार्टी, हरप्रीत सिंह, हरदीप सिंह राशू, ओपी सिंह, प्रवजीत नंदा, लखजीत सिंह रिंकू, सुधीर मेहरोत्रा आदि ने भेंट की।

जीरो कार्बन के लक्ष्य के लिए एएमए हर्बल ने फैशन डिजाइनर्स और बुनकरों के साथ मिलाया हाथ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नेचुरल कलर बनाने का विश्व स्तरीय ब्रांड एएमए हर्बल अब जीरो कार्बन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेजी कदम उठाने शुरू कर दिए है । इसी कड़ी में जगह–जगह वह फैशन डिजाइनर्स के साथ मिलकर प्राकृतिक रंगों पर आधारित थीम पर फैशन शोज आयोजित करने में मदद कर रहा है। जिसमें प्रदर्शित सभी परिधानों में नेचुरल कलर का उपयोग किया गया है। इसी कड़ी में हाल ही में ग्लोबल फैशन फेस्टिवल 2024 में एएमए हर्बल प्राइवेट लिमिटेड ने एक अनूठे फैशन की प्रस्तुति दी, जिसमें शामिल होने वाले लोगों को कपड़ों की प्राकृतिक रंगाई के बारे जानकारी साथ ही नेचुरल डाइंग के विभिन्न तरीकों और इसके उपयोग के फायदों के बारे में बताया गया। एएमए हर्बल के को–फाउंडर और सीईओ यावर अली शाह ने कहा, हम वर्षों से नेचुरल डाई पर काम कर रहे हैं, हमारा उद्देश्य है कि हम जल्दी से जल्दी खासतौर से कपड़ा उद्योग को जीरो कार्बन के लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़े साझेदार के रूप में शामिल रहें। हमारा लक्ष्य है कि हम ऐसे फैशन को बढ़ावा दें जो पर्यावरण के अनुकूल हो। इस तरह के इंवेट के माध्यम से, हम फैशन डिजाइनिंग के जुड़े पेशेवरों को प्राकृतिक रंगों के उपयोग के महत्व से अवगत कराना चाहते थे। हमें गर्व है कि हमारे रंगों से बने कपड़े फैशन की दुनिया में एक नया ट्रेंड सेट कर रहे हैं।अदिति ने हमारे रंगों से इतने सुंदर डिजाइन तैयार किए हैं कि जिसे देख कर सभी ने कहा, हमें ये चाहिए। श्री शाह ने यह भी बताया कि एएमए हर्बल का मकसद ऐसे फैशन को बढ़ावा देना है जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए और स्थायी हो। उन्होंने कहा जीरो कार्बन को लक्ष्य को प्राप्त करने में सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। एएमए हर्बल नेचुरल डाई का उत्पादक है। लेकिन इसके प्रयोग का बढ़ावा तभी मिलेगा।

जब टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े इसके प्रयोग को बढ़ावा देंगे। इसी के लिए एएमए हर्बल स्थापित फैशन डिजाइनर्स, फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों और बुनकरों को नेचुरल रंगों से कपड़े की डाइंग के तरीकों और प्रयोग के बारे में जानकारी दे रहा है। शो में फैशन डिजाइनर अदिति जग्गी रस्तोगी ने एएमए हर्बल के प्राकृतिक रंगों से बने परिधानों को अपने कलेक्शन में शामिल किया, जो दर्शकों के बीच एक खास आकर्षण का केंद्र बन गए। अदिति के डिजाइन ने न केवल शो की सुंदरता बढ़ाई, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश भी दिया।

कलत्रम क्रिएशंस की नए शोरूम का महानगर में भव्य उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कलत्रम क्रिएशंस जो गारमेंट्स की इंडस्ट्री में लखनऊ शहर में एक जाना पहचाना नाम है ने अपने नए शोरूम का उद्घाटन आज दिनांक 15 नवंबर 2024 को गोल मार्केट महानगर चौराहे पर किया। शोरूम का अनावरण परम पूज्य अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती द्वारा किया गया इस अवसर पर शिव शंकर अवस्थी अध्यक्ष ब्राह्मण परिवार लखनऊ वरुण तिवारी एमडी त्रिवेणी अलमीरा एवं अंजनी पांडे राष्ट्रीय अध्यक्ष संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल भी उपलब्ध थे। कलत्रम क्रिएशंस के डायरेक्टर गौरव द्विवेदी के अनुसार शादी विवाह के इस सीजन में इस नए शोरूम के माध्यम से हम अपने ग्राहकों के और निकट पहुंच जाएंगे और शूटिंग शर्टिंग एवं कस्टम टेलरिंग के क्षेत्र में आपको सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध कराएंगे। इस शोरूम को मिलाकर गौरव द्विवेदी कलत्रम और दूल्हा घर के नाम से चार शोरूम का लखनऊ में सफल संचालन कर रहे हैं।

जिला अस्पताल में डांस मामले का डिप्टी सीएम ने लिया संज्ञान, जांच के दिए आदेश

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी जिला अस्पताल में डांस मामले में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जांच के आदेश दिए हैं। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में स्टाफ नर्सों के साथ कर्मचारियों के ठुमके लगाने का एक–दो नहीं बल्कि चार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। मामला सुर्खियों में आने के बाद प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए। इसे लेकर उप मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया है। जिला अस्पताल, वाराणसी में स्टाफ नर्स एवं कर्मचारियों द्वारा चिकित्सालय की गरिमा धूमिल करने संबंधी वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मेरे द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी को उक्त प्रकरण की जाँचकर कार्यवाही करते हुए एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रेषित करने के आदेश दिये गये है।

डयूटी के समय का ड्रेस पहनकर खूब लगाए ठुमके

वायरल वीडियो में इसमें डयूटी के समय का ड्रेस पहने स्टाफ नर्स और अपने गले में जिला अस्पताल का पहचान पत्र लटकाए कर्मचारी हिंदी गीतों के साथ ही भोजपुरी गीतों पर खूब ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। स्टाफ नर्स के प्रमोशन की इस पार्टी में सीएमएस से लेकर अन्य अधिकारी, चिकित्सक भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में चार स्टाफ नर्स का प्रमोशन दीपावली से कुछ दिन पहले ही हुआ था। इसकी खुशी में अस्पताल में दीपावली से ठीक पहले प्रमोशन की पार्टी रखी गई। अस्पताल के सेमिनार हाल में हुई पार्टी का जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें एक वीडियो में सेमिनार हाल में अस्पताल के सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह, एमएस डा. प्रेमप्रकाश सहित अन्य डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ बैठे हैं। इस वीडियो में गाना गाया जा रहा है लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसका वीडियो देख हर कोई हैरान है। चार वीडियो में हिंदी, भोजपुरी गीतों पर स्टाफ नर्सों के साथ कुछ वरिष्ठ कर्मचारी इस तरह ठुमके लगा रहे हैं, जैसे कि वह अस्पताल नहीं बल्कि किसी शादी समारोह या बाहर कहीं मैरेज हाल या अन्य जगह पर हो। वायरल वीडियो की जानकारी अस्पताल प्रशासन को हुई तो अधिकारी हैरान हैं।

जिले में तेजी सें फलफूल रहा है कच्ची शराब बनाने का कारोबार

अयोध्या। आबकारी विभाग व पुलिस की मिली भगत से जिले के अधिकतर थाना क्षेत्रो में कच्ची शराब बनाने का सिलसिला जोरो से चल रहा है।इसमे शामिल कारोबारियो पर आबकारी विभाग व स्थानीय पुलिस अंकुश लगाने मे असफल दिखाई दे रहा है।बताते चले कि जिले के अधिकतर थाना क्षेत्रों में कच्ची शराब बनाने के लिए भट्टिया सुबह से ही धधकने लगती है जो देर शाम तक चलती है।यह बात एक दिन की ही नहीं बल्कि प्रतिदिन की बनी हुई है।क्योंकि कच्ची शराब को बनाने वाले कारोबारियो स्थानीय पुलिस तथा आबकारी कर्मियों का कोई खौफ नहीं दिखाई दे रहा है। लोगो की माने तो यह कच्ची शराब बनाने का कारोबार इन्हीं के रहमों करम पर चल रहा है।इधर शायद ही कोई ऐसा दिन हो यहां तक कि पिछले कई महीनों से आबकारी व स्थानीय पुलिस ने इन लोगो के खिलाफ अभियान नही चलाया है। यहाँ तक कि पूरी दीपावली भी बीत गई जिले के किसी भी थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग ने स्थानीय पुलिस की सहायता से कहीं पर अवैध रूप से निर्मित कच्ची शराब तथा इसमें शामिल अवैध रूप से कारोबारी को गिरफ्तार नहीं किया।देखा जाये तो जिले में इस समय अवैध रूप से कच्ची शराब का बनना बंद हो गया हो।क्योंकि शहर सें ग्रामीण इलाकों तक यह अवैध कारोबार जोरशोर से चल रहा है। कुछ लोगो ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र में ही कई ऐसे इलाके है जहां पर आबकारी विभाग के साथ–साथ कोतवाली नगर पुलिस की मिली से शहर में अवैध रूप से कच्ची शराब का कारोबार चल रहा है। बताते चले जब से जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र सिंह काफी दिनों के लिए अवकाश पर चले गए हैं और आबकारी विभाग कार्यालय की माने तो वह दिसंबर के बाद अगले वर्ष जनवरी मे छुट्टी से वापस लौटेंगे। मामला चाहे जो भी हो आबकारी विभाग व पुलिस की सहायता से अवैध रूप से संचालित कच्ची शराब पर अंकुश लगाने में निष्क्रिय ही दिखाई दे रहा है।देखा जाए तो कोतवाली नगर क्षेत्र के ही कई ऐसे इलाके जिसके बगल पुलिस चौकी भी स्थित है वहां पर धड़ल्ले से अवैध रूप से पुलिस आबकारी विभाग के कर्मियों के सह पर कच्ची शराब का कारोबार तेजी से चल रहा है।इसी तरह थाना कैंट मे रेतिया, सरयू नदी का कछार, सहादतगंज, गुप्तार घाट कई ऐसे इलाके हैं जहां पर जोर–जोर से कच्ची शराब बनने का कारोबार चल रहा है।जिले के थाना महाराजगंज, रौनाही, रुदौली, थाना गोसाईगंज, थाना बीकापुर, थाना तारुन, थाना हैदरगंज सहित कई थाने हैं जहां पर यह कारोबार आबकारी विभाग व पुलिस विभाग की मिली भगत से तेजी से फल फूल रहा है।जिस पर अंकुश लगाने में आबकारी विभाग व पुलिस निष्क्रिय दिखाई दे रही है। देखा जाए तो इधर एक साल से आबकारी विभाग इन पर शिकंजा कसते नजर नहीं आ रहा है।जबकि दो–तीन साल पहले आए दिन आबकारी विभाग पुलिस की सहायता से भारी मात्रा में लहान व कच्ची शराब बरामद कर भट्टियों को तोड़ता ही था और इससे शामिल आरोपियों पर स्थानीय थानों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भी भेजा जाता था। परंतु अब इस तरह का अभियान आबकारी विभाग द्वारा स्थानीय पुलिस की मदद से नहीं चलाया जा रहा है।

गोरखपुर में जुटेंगे देश भर के खिलाड़ी

गोरखपुर, संवाददाता। 68वीं अंडर–14 राष्ट्रीय विद्यालयीय कुश्ती (फ्री स्टाइल) प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन 16 से 20 नवंबर तक वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में होगा। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की टीमें जुटनी शुरू हो जाएंगी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से पहली बार गोरखपुर में यह आयोजन होने जा रहा है। इसमें 45 टीमों के लगभग 450 से अधिक बालक व बालिका दांव आजमाएंगे। इनके अलावा करीब 200 ऑफिशियल्स भी जुटेंगे। फ्री स्टाइल की इस प्रतियोगिता में दो मैट पर 14 वर्षीय बालक–बालिका खिलाड़ी बड़े मंच से अपना दमखम दिखाएंगे। प्रतियोगिता के लिए आने वाले सभी खिलाड़ियों की स्टेडियम के आसपास के होटलों में ठहरने की व्यवस्था की जा चुकी है।

प्रतियोगिता के सभी मैच वीर बहादुर सिंह स्पोटर्स कॉलेज में खेले जाएंगे, जिसमें देश के सभी बोर्ड में पढ़ने वाले विद्यार्थी खेलेंगे। इनमें स्टेट के साथ ही सीबीएसई, सीआइएससीई व विकास भारती के विद्यार्थी शामिल हैं। पहली बार हो रहे आयोजन को भव्य बनाने को लेकर तैयारियां जारी हैं। बृहस्पतिवार से टीमों का आगमन शुरू हो जाएगा। बालक–बालिका प्रतिभागियों के ठहरने के लिए शहर के प्रमुख होटल आरक्षित कर दिए गए हैं।

नमो घाट पर पर्यटकों को रिझा रहा 75 फीट का नमस्ते

वाराणसी, संवाददाता। उदयागामी भगवान भास्कर का अभिवादन करता नमो घाट का 75 फीट ऊंचा नमस्ते स्कल्पचर पर्यटकों को लुभा रहा है। देव दीपावली के अवसर पर उपराष्ट्रपति नमो घाट को जनता को समर्पित करेंगे। सुबह–ए–बनारस का लुत्फ अब पर्यटक विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले खुबसूरत नमो घाट से भी ले सकेंगे।

देव दीपावली पर होगा नमो घाट का उद्घाटन

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं वाला नमो घाट बन कर तैयार हो गया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का 15 नवंबर को नमो घाट का औपचारिक उद्घाटन करना प्रस्तावित है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी मौजूद रहेंगे।

पहला घाट होगा जहां उतारा जा सकेगा हेलीकॉप्टर

नमो घाट काशी के घाटों की श्रृंखला में जुड़ गया है। यह वाराणसी के पहले मॉडल घाट के रूप में जुड़ा है। इसका विस्तार नमो घाट से आदिकेशव घाट (लगभग 1.5 किलोमीटर) तक हुआ है। घाट की बनावट और अंतरराष्ट्रीय सुविधा के साथ नमस्ते का स्कल्पचर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। जल, थल और नभ से जुड़ने वाला यह पहला घाट होगा, जहां हेलीकॉप्टर भी उतारा जा सकता है। नमो घाट पर फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन, ओपन एयर थियेटर, कुंड, फ्लोटिंग जेटी पर बाथिंग कुंड तथा चेंजिंग रूम का भी निर्माण हुआ है। योग स्थल, वाटर स्पोर्ट्स, चिल्ड्रन प्ले एरिया, कैफेटेरिया के अलावा कई अन्य सुविधाएं हैं। यह वाराणसी का पहला घाट है, जो दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया गया है। नमो घाट का पुनर्निर्माण दो फेजों मे किया गया है। इसका निर्माण 81,000 स्क्वायर मीटर में 91.06 करोड़ से किया गया है। इस परियोजना को स्मार्ट सिटी मिशन तथा इंडियन ऑयल फाउंडेशन द्वारा मिल कर वित्तपोषित किया गया है।

नमो घाट के पुनर्विकास में दिया गया मेक इन इंडिया का विशेष ध्यान

वाराणसी के मंडलायुक्त और स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष कौशल राज शर्मा ने बताया कि नमो घाट के पुनर्विकास में मेक इन इंडिया का विशेष ध्यान दिया गया है। इस घाट पर वोकल फॉर लोकल भी दिखेगा। भविष्य में लोग यहां वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स और हेली टूरिज्म का भी लुत्फ ले सकेंगे। सेहतमंद रहने के लिए मॉर्निंग वाक, व्यायाम और योग कर सकेंगे। दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए मां गंगा के चरणों तक रैंप बना है।

पर्यटकों के लिए हैं ये सुविधाएं

ओपेन थियेटर, लाइब्रेरी, लाउंज, बाथिंग कुंड, बनारसी खान–पान के लिए फूड कोर्ट और मल्टीपर्पज प्लेटफार्म है। यहां हेलीकाप्टर उतरने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन व क्राउड मैनेजमेंट में भी काम आ सकता है। जेटी से बोट द्वारा श्री काशी विश्वनाथ धाम और गंगा आरती देखने जा सकेंगे। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए सीएनजी से चलने वाली नाव के लिए देश का पहला फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन भी नमो घाट पर बना है।

इसके अलावा अन्य गाड़ियों के लिए भी यहां अलग से सीएनजी स्टेशन है। नमो घाट से क्रूज के जरिए पास के अन्य शहरों का भ्रमण किया जा सकता है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि फेज वन में बने बड़े नमस्ते स्कल्पचर की ऊंचाई करीब 25 फीट और छोटे की 15 फीट है, जबकि फेज टू में मेटल का बना नमस्ते स्कल्पचर करीब 75 फीट ऊंचा है। यह भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में अमृत महोत्सव में लगवाया गया है। इस नमो नमः स्कल्पचर की वजह से इसका नाम, नमो घाट पड़ गया है। नमो घाट पर खास कुंड बना है। घाट के किनारे हरियाली के लिए और मिट्टी का कटान न हो, इसके लिए पौधरोपण किया गया है। आस्था की डुबकी लगाने के लिए अन्य घाटों की तरह पक्का घाट बना है। यहां सीढ़ियों के साथ ही रैंप भी बनाया गया है। यहां बाथिंग जेटी भी लगाई गई है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने 106 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने 106 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूर्य पाल गंगवार, जिलाधिकारी लखनऊ उत्तर प्रदेश ने प्रतिभागिता की। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रमुख राजेश कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर उन्हे मंच को संबोधित करने का आमंत्रण दिया। अपने सम्बोधन में जिलाधिकारी ने बैंकों का विगत कुछ वर्षों में देश के आर्थिक उन्नयन में महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही सरकार की अन्य कई सामाजिक महत्व वाली योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। जिलाधिकारी का धन्यवाद करते हुये अंचल प्रमुख राजेश कुमार ने बैंक के स्टाफ सदस्यों तथा सम्मानित ग्राहकों को संबोधित किया तथा यूनियन बैंक के साथ सदैव बने रहने और भविष्य में भी सेवा करने का अवसर देते रहने हेतु अभिवादन और धन्यवाद किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्राहकजनों को यूनियन बैंक के स्थापना से लेकर अभी तक के स्वर्णिम कीर्तियों से संक्षेप में अवगत कराया। अंचल प्रमुख ने ग्राहक सेवा की प्रतिबद्धता को पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। उक्त कार्यक्रम में कई जाने–माने गायकों ने अपनी प्रस्तुति से समस्त मौजूद ग्राहकों एवं स्टाफ सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया ।

देव दीपावली पर यातायात की स्मार्ट व्यवस्था

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में देव दीपावली के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को लेकर इस बार नई व्यवस्था की गई है। गोदौलिया मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों को रोके जाने के लिए वाहन पार्किंग बनाई गई है इसके साथ ही अन्य वाहन पार्किंग में भी वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था है। इस बार विशेष व्यवस्था के तहत क्यूआर कोड भी लाया गया है जिसमें आने वाले पर्यटकों को वाहन पार्किंग खोजने की दिक्कत नहीं हो इसके लिए इंतजाम किए गए हैं।

परेशान होते थे पर्यटक

बताते चलें कि पिछले कई साल से वाराणसी में आने वाले पर्यटक वाहन को लेकर आते थे और पूछताछ में समय गंवाते थे कई बार गलत जगह वाहन को खड़ा करने से यातायात की अव्यवस्था पैदा हो जाती थी। इस बार तकनीक का सहारा लेकर यातायात पुलिस काशी आने वाले भक्तों को सुविधा प्रदान कर रही है जिससे अब उन्हें लोकेशन को खोजने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और क्यूआर कोड स्कैन करते ही नजदीक की वाहन पार्किंग को जान सकेंगे। इस प्रयास से वाहन स्वामियों को भटकना नहीं पड़ेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।